www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शनिवार
16 मई 2026
वर्ष: 49
अंक: 25 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल-डीजल 3-3 रू. महंगे हुए, नई कीमतें लागू

- दिल्ली में पेट्रोल 97.77 लीटर हुआ, कंपनियों को अभी भी 25-30 प्रति लीटर का घाटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। दिल्ली में अब पेट्रोल 97.77 रुपए प्रति लीटर में मिलेगा। डीजल की कीमत 90.67 रुपए प्रति लीटर हो गई है। नए दाम आज 15 मई से लागू हो गए हैं।

करीब 2 साल बाद दामों में ये बढ़ोतरी की गई है। वहीं कंपनियों को अभी भी पेट्रोल-डीजल पर 25-30 प्रति लीटर का घाटा हो रहा है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों के साथ प्रमुख शहरों में सीएनजी भी 2 प्रति किलो तक महंगी हो गई है। दिल्ली में अब एक किलो सीएनजी के लिए 79.09 खर्च करने होंगे।

अन्य चीजों के दाम भी बढ़ सकते हैं

- मालभाड़ा बढ़ेगा
- खेती की लागत बढ़ेगी
- बस-ऑटो का किराया बढ़ेगा।

2024 से दाम नहीं बदले थे, चुनाव से पहले कटौती हुई थी- देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मार्च 2024 से स्थिर बनी हुई थीं। लोकसभा चुनाव 2024 से ठीक पहले सरकार ने कीमतों में 2 प्रति लीटर की कटौती कर जनता को राहत दी थी। हालांकि, तकनीकी रूप से भारत में ईंधन की कीमतें विनियमित हैं और कंपनियां अंतरराष्ट्रीय क्रूड की 15 दिनों की औसत कीमत के आधार पर हर दिन रेट बदल सकती हैं, लेकिन राजनीतिक संवेदनशीलता के कारण इन्हें लंबे समय तक नहीं बदला गया।

पेट्रोल-डीजल कीमतों में वृद्धि, कांग्रेस बोली- चुनाव खत्म, वसूली शुरू, अखिलेश बोले साइकिल ही विकल्प पेट्रोल, डीजल में 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। सरकार पर बढ़ती महंगाई और आर्थिक दबाव के बीच आम लोगों पर बोझ बढ़ाने का आरोप लगाया है।

चांदी एक दिन में 19,693 सोना 3,000 सस्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने-चांदी की कीमतों में 15 मई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 19,693 रुपए घटकर 2.68 लाख रुपए रह गई, जो गुरुवार को 2.87 लाख रुपए पर थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 3,000 रुपए घटकर 1.58 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले 16 अप्रैल को यह 1.61 लाख पर था। सोना ऑल टाइम हाई से 106 दिन में 17,962 और चांदी 1,18,433 सस्ती हुई है। 29 जनवरी को सोना रू. 1.76 लाख/10 ग्राम और चांदी 3.86 लाख/किलो थी।

ट्रम्प बोले- चीन होर्मुज खोलने में मदद को तैयार

- ईरान ने होर्मुज के लिए नए प्रोटोकॉल जारी किए, ब्रिक्स से अमेरिका की निंदा की अपील

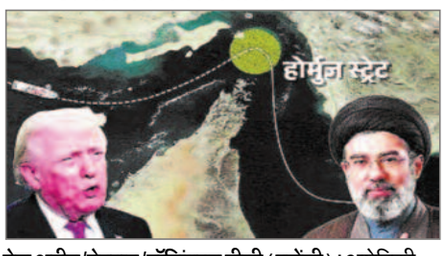

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने होर्मुज को खुला रखने में मदद की पेशकश की है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि शी जिनपिंग चाहते हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता हो जाए। ट्रम्प के मुताबिक, शी जिनपिंग ने कहा कि अगर मैं किसी तरह मदद कर सकता हूं, तो मैं मदद करना चाहूंगा। चीन बड़ी मात्रा में ईरानी तेल खरीदता है, इसलिए उसकी भी दिलचस्पी है कि होर्मुज खुला रहे।

पौड़ी में नहीं थम रहे हैं गुलदार के हमले

ली एक और व्यक्ति की जान

निरन्तर हमलों से सदमे में हैं क्षेत्रवासी

पौड़ी। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में गुलदार, बाघ तथा भालू के हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। गुलदार तथा भालू जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय हैं। आज एक बार फिर से गुलदार के हमले में एक व्यक्ति की जान चली गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार सांय 6.0 से 7.0 बजे के मध्य पौड़ी ब्लॉक के कमन्द गांव के मोहन चन्द्र मलासी को गुलदार ने अपना शिकार बना दिया है। प्रातः जानकारी के अनुसार मोहन चन्द्र मलासी पर गुलदार ने तब हमला किया जब वे गांव के पास के खेतों में गायों के लिए चारापत्ती लेने गये थे। जब काफी देर होने के बाद भी वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने खोजबीन की, पता चला कि, गुलदार ने अपना निवाला बना दिया है। मृतक का शव क्षत-विक्षत अवस्था में पाया गया। मृतक की उम्र 62 साल बताई जा रही है, मृतक मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। इस घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया।

दिल्ली में पहली बार दौड़ीं हाइड्रोजन बसें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली वालों के लिए एक अच्छी खबर है। दिल्ली में पहली बार हाइड्रोजन बसों का संचालन शुरू हो गया है। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ परिवहन की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स और मिनिस्ट्री ऑफ पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस के साथ मिलकर आज दिल्ली के सेंट्रल विस्टा एरिया में एक इंटीग्रेटेड हाइड्रोजन-पावर्ड शटल बस सर्विस शुरू की है।

15 मई शुक्रवार सुबह 8:30 बजे सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशन से पैसेंजर सर्विस के लिए दो हाइड्रोजन बसें शुरू की गईं। इन बसों की चाबियां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के डायरेक्टर (रिफाइनरी), अरविंद कुमार ने

डीएमआरसी और आईएसीएल के दूसरे सीनियर अधिकारियों की मौजूदगी में डीएमआरसी के डायरेक्टर (ऑपरेशंस एंड सर्विसेज) डॉ. अमित कुमार जैन को सौंपीं।

कई सुविधाओं से लैस हैं बसें- हाइड्रोजन-ईंधन से चलने वाली ये बसें सुविधाओं से लैस होंगी। इन बसों में जीपीएस आधारित ट्रैकिंग और सीसीटीवी सिस्टम लगे हैं। इनसे वास्तविक समय की निगरानी, सुरक्षा और समय की पाबंदी सहित मार्ग का पालन करने उपयोग किया जा सकेगा।

यह रहेगी बसों की टाइमिंग- डीएमआरसी के निदेशक अमित कुमार जैना के अनुसार, दिल्ली में इन बसों को सुबह 8.30 से दोपहर में 12.30 बजे तक और 3.30 बजे से शाम 6.30 बजे तक चलाया जाएगा। अमिक कुमार जैन ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि इन प्रणाली को सेंट्रल विस्टा जोन में पर्यावरण के अनुकूल लास्ट-मॉडल कनेक्टिविटी विकल्प के रूप में डिजाइन किया गया है।

कहां से कहां तक दौड़ेगी- हाइड्रोजन बसों का संचालन सेंट्रल सचिवालय और सेवा तीर्थ मेट्रो स्टशन के बीच होगा।

मप्र हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

धार भोजशाला को वाग्देवी मंदिर माना

- अयोध्या केस को फैसले का आधार बनाया, मुस्लिमों को नमाज की इजाजत देने का आदेश खारिज

इंदौर/धार (एजेंसी)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने धार की भोजशाला को वाग्देवी मंदिर माना है। शुक्रवार को दिए फैसले में हाईकोर्ट ने कहा- हमने पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों, एएसआई की सर्वे रिपोर्ट पर विचार किया है। एएसआई एक्ट के प्रावधानों के साथ-साथ अयोध्या मामले को भी आधार माना। एंड बेंच के मुताबिक, हाईकोर्ट ने कहा-ऐतिहासिक और संरक्षित जगह देवी सरस्वती का मंदिर है। केंद्र सरकार और एएसआई यह फैसला लें कि भोजशाला मंदिर का मैनेजमेंट कैसा रहेगा। 1958 एक्ट के तहत इस प्रॉपर्टी का पूरा मैनेजमेंट एएसआई के हाथ में ही रहेगा।

अदालत ने एएसआई का 2003 का वह आदेश भी रद्द कर दिया, जिसमें एएसआई ने भोजशाला में हिंदुओं को पूजा का अधिकार नहीं दिया था। उस आदेश को भी खारिज कर दिया, जिसमें मुस्लिमों को नमाज पढ़ने का अधिकार दिया गया था। भोजशाला को कमाल मौला मस्जिद बताते रहे मुस्लिम पक्ष को कोर्ट ने सरकार से मस्जिद के लिए अलग जमीन मांगने को कहा है।

हाईकोर्ट के फैसले के निम्न बिन्दु

- हाईकोर्ट ने कहा कि भोजशाला में सरस्वती मंदिर और संस्कृत शिक्षा केंद्र के साक्ष्य पाए गए हैं।
- कोर्ट ने पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों, एएसआई सर्वे के साथ अयोध्या केस को भी आधार माना।
- कोर्ट ने कहा- हर सरकार की जिम्मेदारी है कि वह ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व वाले प्राचीन स्मारकों और मंदिरों की सुरक्षा निश्चित करे। साथ ही गर्भगृह और धार्मिक आस्था से जुड़ी देव प्रतिमाओं का भी संरक्षण करे।

एएसआई ने किया था 98 दिन का वैज्ञानिक सर्वे- 2024 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने भोजशाला परिसर का 98 दिन तक वैज्ञानिक सर्वे किया था। इसके बाद 23 जनवरी 2026 को वसंत पंचमी पर सुप्रीम कोर्ट ने दिनभर निर्बाध पूजा-अर्चना की अनुमति दी। हाईकोर्ट में 6 अप्रैल से नियमित सुनवाई शुरू हुई, जो 12 मई तक चली।

हिंदू पक्ष ने मंदिर होने के दिए तर्क- हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ताओं ने भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर और प्राचीन विद्या केंद्र बताते हुए ऐतिहासिक दस्तावेज, एएसआई सर्वे, शिलालेख, स्थापत्य अवशेष और वसंत पंचमी पर पूजा की परंपरा का हवाला दिया।

सुनवाई के दौरान किसने क्या तर्क दिए

हिंदू पक्ष- भोजशाला पर प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट लागू नहीं होता। यह एएसआई द्वारा संरक्षित स्मारक है। प्राचीन स्मारक एवं पुरातात्विक स्थल एवं अवशेष अधिनियम 1951 की सूची में भोजशाला का नाम दर्ज है। साल 2024 में अश्विनी उपाध्याय केस में दिए तर्क को भोजशाला मामले में लागू नहीं किया जा सकता। 7 अप्रैल 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश को निरस्त करने की मांग। कोर्ट से आग्रह किया कि भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय कर इसे पूर्ण रूप से हिंदू समाज को सौंपा जाए। इससे मां सरस्वती की पूजा और हवन वर्षभर निर्बाध रूप से किया जा सके।

मुस्लिम पक्ष- वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा मेनन ने कोर्ट में कहा कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि भोजशाला मंदिर है, मस्जिद है या जैनशाला। विवादित स्थल का धार्मिक स्वरूप तय करने का अधिकार सिविल कोर्ट को है। हाई कोर्ट अनुच्छेद 226 के तहत रिट अधिकार क्षेत्र में सुनवाई कर रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने एएसआई सर्वे पर सवाल उठाते हुए कहा कि उपलब्ध कराई गई वीडियोग्राफी स्पष्ट नहीं है। रंगीन तस्वीरें भी नहीं दी गईं। उन्होंने अयोध्या फैसले का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां रामलला विराजमान की मूर्ति मौजूद थी। भोजशाला में कोई स्थापित मूर्ति नहीं है।

जैन समाज

जो प्रतिमा मां वाग्देवी की बताई जा रही है, वह जैन समुदाय की आराध्य मां अंबिका की है। सीहोर में मां अंबिका के मंदिर में ठीक वैसी ही प्रतिमा है, जो भोजशाला में मिली थी। इसे जैन तीर्थ घोषित किया जाना चाहिए।

धार पुलिस कंट्रोल रूम में जिलेभर से करीब 1200 पुलिसकर्मियों को बुलाया गया है। एसपी सचिन शर्मा ने कंट्रोल रूम पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की और पुलिस बल को निर्देश दिए। एसपी ने बताया कि धार शहर की सुरक्षा 12 लेयर में की गई है। रिजर्व पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स को भी अलर्ट पर रखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-

दो एयरलाइन का किराया अलग-अलग क्यों

- एक एयरलाइन 8000 चार्ज करती है, दूसरी 18000; सरकार से कहा- लोगों को थोड़ी राहत दें

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि एक ही दिन, एक ही सेक्टर में उड़ान भरने वाली एक एयरलाइन कुछ अलग हवाई किराया लेती है जबकि दूसरी एयरलाइनल अलग किराया लेती है। इसे सही किया जाना चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने केंद्र सरकार से यात्रियों को राहत देने को कहा।

इस पर केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि सरकार इस समस्या पर बहस नहीं कर रही है। इस मुद्दे को बिना किसी विरोध के मान रही है। 2024 का एक नया कानून लागू हो गया है और उससे जुड़े नियमों पर सलाह-मशविरा चल रहा है।

सुप्रीम कोर्ट सोशल एक्टिविस्ट एस लक्ष्मीनारायणन की दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था। उन्होंने मांग की कि देश में एक मजबूत और स्वतंत्र रेगुलेटर बनाया जाए, जो एयरलाइनों के किराए और एक्स्ट्रा चार्जेस पर निगरानी रखे।

- **याचिकाकर्ता का दावा- नियम पहले, पालन नहीं हो रहा-** लक्ष्मीनारायणन के वकील रवींद्र श्रीवास्तव ने कहा कि एयरक्राफ्ट एक्ट 1937 के तहत नियम पहले से ही हैं लेकिन समस्या यह है कि पालन नहीं किया गया। जब तक नए नियम नहीं बन जाते, पुराने नियम जारी रहेंगे। साथ ही कहा गया है कि अगर डीजीसीए को लगता है कि किसी खास स्थिति में, एयरलाइंस बहुत ज्यादा किराया वसूल रही हैं, तो वह निर्देश जारी करेगा।

भारत-यूएई के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर समझौता

राष्ट्रपति अल नाहयान के साथ बैठक में फैसला, मोदी के प्लेन को एफ-16 फाइटर जेट से सुरक्षा दी गई

दुबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएई दौरे पर पहुंचे हैं। अबूधाबी पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक यूएई एयरफोर्स के एफ-16 फाइटर जेट्स ने प्रधानमंत्री के विमान को एस्कॉर्ट किया।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। दोनों देशों के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर अहम समझौता हुआ। इसके अलावा स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व, रक्षा सहयोग और वडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर से जुड़े एमओयू भी साइन किए गए।

यूएई ने भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब डॉलर निवेश का ऐलान भी किया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश और वेस्ट एशिया के हालात पर चर्चा की। भारत और यूएई के बीच हुए 7 समझौते हुए हैं।

भारत-यूएई की दोस्ती बेहद मजबूत: प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर भारत-यूएई रिश्तों को मजबूत और भरोसेमंद बताया। उन्होंने कहा, भारत और यूएई की दोस्ती बहुत मजबूत है। मोदी ने कहा कि दोनों देश बेहतर भविष्य के निर्माण के लक्ष्य के साथ मिलकर काम करते रहेंगे।

भारत-यूएई साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंची- मोदी ने कहा कि जनवरी में यूएई राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान रिश्तों को और मजबूत करने पर सहमति बनी थी। उन्होंने कहा कि कम समय में दोनों देशों ने सभी क्षेत्रों में तेज प्रगति की है।

मोदी बोले- होर्मुज स्ट्रेट खुला और सुरक्षित रहना जरूरी- मोदी ने कहा कि भारत चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट खुला और सुरक्षित बना रहे। उन्होंने कहा कि वेस्ट एशिया युद्ध का असर पूरी दुनिया पर दिख रहा है और भारत हमेशा संवाद व कूटनीति के जरिए समाधान का पक्षधर रहा है। उन्होंने कहा कि इस मामले में अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत हर परिस्थिति में यूएई के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए भारत हर संभव सहयोग देगा।

नीट अगले साल से ऑनलाइन होगी : प्रधान

इस साल रद्द हुई परीक्षा 21 जून को

यह पेपर-पेंसिल से होगी, सरकार ने माना- पेपर लीक हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले सत्र से नीट यूजी परीक्षा ऑनलाइन होगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने माना कि 3 मई को हुई नीट यूजी -2026 की परीक्षा के पेपर लीक हुए थे।

उन्होंने कहा, हम नहीं चाहते थे कि कोई गलत कैंडिडेट सिलेक्ट हो जाए। इसलिए हमने बड़ी जिम्मेदारी से परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया। अब यह परीक्षा रविवार 21 जून को होगी। 7 मई को गड़बड़ी का पता चला था। एनटीए ने सरकार को बताया। फिर 12 मई को रीएग्जाम का फैसला लिया गया।

शिक्षा मंत्री ने कहा, 'रीएग्जाम में छात्रों को 15 मिनट का एक्स्ट्रा टाइम मिलेगा। छात्र रीएग्जाम में अपनी पसंद का सेंटर चुन पाएंगे।' इससे पहले 3 मई को यह एग्जाम देश के 551 और विदेशों के 14 शहरों में हुई था। इसके लिए 5400 से ज्यादा एग्जाम सेंटर्स बनाए गए थे।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, छात्रों के आने-जाने के लिए राज्यों से बात करूंगा- केंद्रीय

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, राधाकृष्ण समिति की सिफारिशों का पालन करने के बावजूद यह उल्लंघन कैसे हुआ। ऐसे में सरकारी मशीनरी यह सुनिश्चित करेगी कि इस बार कोई अनियमितता न हो। मंत्री के रूप में, अभिभावक के रूप में, अधिकारी के रूप में हमें परीक्षा रद्द करने का कठिन निर्णय लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि हमें सुधारों के लिए कई सुझाव मिले हैं। हम इस पर काम कर रहे हैं। एनटीए का गठन सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार हुआ था।

कुंभ–2027 की तैयारी: हरिद्वार बस अड्डे का होगा कायाकल्प

हरिद्वार। कुंभ मेला 2027 को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और श्रद्धालु हितैषी बनाने की दिशा में मेला प्रशासन ने कुंभ नगरी के प्रमुख परिवहन केंद्रों को सुदृढ़ एवं व्यवस्थित करने की कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में मेलाधिकारी सोनिका ने शुक्रवार को हरिद्वार स्थित उत्तराखंड परिवहन निगम के बस स्टेशन, उससे जुड़े मार्गों और आसपास के क्षेत्रों का विस्तृत निरीक्षण कर मौजूदा व्यवस्थाओं तथा प्रस्तावित कार्यों का जायजा लिया।

मेलाधिकारी ने बस स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर देते हुए परिवहन निगम को इस संबंध में तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को भीड़ प्रबंधन की बेहतर व्यवस्था विकसित करने, यात्री सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा आकस्मिक परिस्थितियों में निकासी योजना के तहत वैकल्पिक मार्ग तैयार करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने कहा कि कुंभ मेले को देखते हुए हरिद्वार बस अड्डे की आधारभूत संरचना को मजबूत करना, यात्री सुविधाओं का विस्तार करना आवश्यक है। इसके लिए परिवहन निगम के स्तर से की जाने वाली व्यवस्थाओं की जानकारी लेते

हुए मेलाधिकारी ने कहा कि बस स्टेशन के सुदृढ़ीकरण एवं सुविधाओं के विस्तार के लिए कुंभ मेला मद से हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। मेलाधिकारी ने बस स्टेशन परिसर की मौजूदा व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि यहां स्वच्छता, यात्री प्रतीक्षालय, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सूचना प्रणाली और यात्री आवागमन को अधिक सुव्यवस्थित बनाया जाए। उन्होंने कहा कि कुंभ जैसे विशाल आयोजन में श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सहज और सुविधाजनक अनुभव उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बस अड्डे के आसपास से अतिक्रमण को हटाने के निर्देश देते हुए कहा कि यात्रियों के सुरक्षित पैदल आवागमन के लिए अलग से गेट की व्यवस्था की जाए। बस स्टेशन से सटी नगर निगम की भूमि का निरीक्षण करते हुए मेलाधिकारी ने कहा कि यहां बड़े स्तर पर होल्डिंग एरिया और जनसुविधा केंद्र विकसित किए जा सकते हैं।

सीएम से भेंट कर प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा की

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से आज मुख्यमंत्री आवास में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ .रमेश पोखरियाल निशंक , सांसद नरेश बंसल , कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी , विधायक आशा नौटियाल ने मुलाक़ात की । इस दौरान प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई।

संक्षिप्त समाचार

प्रभावितों ने रोका विधायक नौटियाल का वाहन

चमोली। मुआवजे के लिए आंदोलन कर रहे आपदा प्रभावितों ने स्थानीय विधायक के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रभावितों ने बैठक करने जा रहे विधायक का वाहन रोक दिया जबकि सांसद बलूनी आगे निकल गए। प्रभावितों ने विधायक से कहा कि सरकार ट्रीटमेंट के लिए तेजी दिखा रही है लेकिन मुआवजे के लिए गंभीर नहीं दिख रही है। अब बरसात आने वाली है। यदि मुआवजा नहीं मिलता तो फिर से क्षतिग्रस्त भवनों में जान जोखिम में डालकर रहना पड़ेगा। शुक्रवार को जनपद मुख्यालय में होने वाली जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक में गढ़वाल सांसद सहित थराली, कर्णप्रयाग विधायक को बैठक में शामिल होना था। सांसद अनिल बलूनी के कार्यक्रम की सूचना मिलते ही धरने पर बैठे प्रभावित परिवार बदरीनाथ हाईवे पर इकट्ठा हो गए और उन्होंने सांसद से वार्ता करने का प्रयास किया। मगर वह आगे निकल पाए। पीछे से आ रहे विधायक का वाहन प्रभावित लोगों ने रोक दिया। प्रभावितों ने विधायक अनिल नौटियाल के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कहा कि चार साल बीत जाने के बाद भी मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। प्रभावित पुष्कर सिंह रावत ने कहा कि अब उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। विधायक अनिल नौटियाल ने कहा कि मुआवजे के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। जल्द कोई न कोई हल निकाला जाएगा। इस मौके पर थराली विधायक भूपाल राम टम्टा, सबीना, वार्ड सभासद कमला रतूड़ी, पदिमा दानू, प्रभावित नारायण दत्त रतूड़ी और सरिता रावत आदि मौजूद रहे।

हाथ से गंदगी उठाने के मामलों में रिपोर्ट 15 दिनों में दें

रुद्रप्रयाग। जिला सभागार में मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सतर्कता एवं सर्वे समिति की बैठक हुई। इस दौरान सीडीओ ने सभी नगर निकायों और जिला पंचायतों को 15 दिन के भीतर हाथ से गंदगी उठाने से संबंधित मामलों का विस्तृत सर्वे कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सफाई कर्मियों के राशन कार्ड, वोटर आईडी और आयुष्मान कार्ड बनाने में आ रही दिक्कतों को प्राथमिकता पर हल करने के लिए समाज कल्याण विभाग को निर्देशित किया गया। उन्होंने कर्मियों से सरकारी योजनाओं और स्वरोजगार का लाभ लेने के लिए नमस्ते पोर्टल पर पंजीकरण की अपील की गई। नगर पंचायत तिलवाड़ा में शौचालय मार्ग पर सुरक्षा रेलिंग और बुजुर्गों के लिए स्टेप निर्माण के निर्देश अधिशासी अधिकारी को दिए गए। बैठक में जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार, समाज कल्याण अधिकारी टीआर मलेठा व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जून तक बन जाएगा पुल, देवलकोट के ग्रामीणों को मिलेगा लाभ

चमोली। मटियाला–देवलकोट सड़क के पास गदेरे पर निर्माणाधीन पुल का काम जून माह तक पूरा हो जाएगा। इस पुल के बनने से देवलकोट क्षेत्र के तीन से अधिक गांवों की एक हजार से अधिक आबादी को लाभ मिलेगा। गैरसैंण विकासखंड के देवलकोट, रिठोला, बनुआ, भवानीपुर आदि गांवों के लिए करीब पांच किमी सड़क का निर्माण एक वर्ष पहले हो चुका है लेकिन यहां देवलकोट के मच्छबगड़ी गदेरे पर पुल नहीं बनने से बरसात में लोगों को दिक्कत होती है। देवलकोट में क्षेत्र का इंटर कॉलेज होने के कारण इस सड़क से स्कूली बच्चे, शिक्षक भी गुजरते हैं। ऐसे में अब यहां पुल निर्माण किया जा रहा है जो अंतिम चरण में है। पुल बनने से देवलकोट और भवानीपुर गांव सहित आसपास के कई गांवों के लोगों को लाभ मिलेगा। वहीं लोक निर्माण विभाग कर्णप्रयाग के अधिशासी अभियंता अनूप कुमार सिंह ने बताया कि पुल की लंबाई लगभग 48 मीटर है और इसकी लागत करीब 3.5 करोड़ रुपये है। यह परियोजना वर्ल्ड बैंक देहरादून की ओर से वित्त पोषित है। 30 जून 2026 तक पुल को आम लोगों के लिए खोलने का लक्ष्य रखा गया है।

सनातनी परंपरा से प्रेरित होकर भाजपा में हुईं शामिल : लक्ष्मी राणा

रुद्रप्रयाग। भाजपा में शामिल होने के बाद शुक्रवार को भाजपा कार्यालय पहुंचीं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी राणा का भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से स्वागत किया। इस दौरान आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि वे सनातनी है और इस परंपरा की वाहक भाजपा से प्रेरित होकर उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली है। पार्टी के माध्यम से जो भी जिम्मेदारी मिलेगी उसका पूरा पालन किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि ये एक हाथ से चुनाव लड़ने का टिकट देते है दूसरे हाथ से प्रत्याशी को हराने के लिए मैदान में आते हैं। जिला अध्यक्ष भारत भूषण भट्ट ने कहा कि भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक संगठन है और एक–एक कार्यकर्ता के जुड़ने से संगठन को मजबूती मिलती है।

भारी वाहनों के हॉर्न की तेज आवाज से लोग परेशान

रुद्रप्रयाग। चारधाम यात्रा के चरम पर होने के कारण जिला मुख्यालय में यातायात का दबाव बढ़ गया है। गुलाबराय मैदान से बाजार क्षेत्र तक यात्री वाहनों के हाई प्रेशर हॉर्न स्थानीय लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन गए हैं। यूकेडी नेता अजीत सिंह, कांग्रेस नेता सूरज नेगी और हिमांशु कंडारी ने बताया कि दिन–रात बजने वाले तेज हॉर्न से बच्चों की पढ़ाई और नवजात शिशुओं को दिक्कतें हो रही हैं।बाजार क्षेत्र में घनी आबादी और अस्पताल होने के कारण मरीजों को भी तेज शोर का सामना करना पड़ रहा है।

युवा कांग्रेस ने फूंका भाजपा सरकार का पुतला

अल्मोड़ा। नीट 2026 परीक्षा रद्द होने के विरोध में शुक्रवार को उत्तराखंड युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चौघानपाटा में भाजपा सरकार का पुतला दहन कर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को संभालने में विफल रहने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि नीट परीक्षा रद्द होना केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के भविष्य और सपनों के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक और परीक्षा गड़बड़ियों ने मेहनती छात्रों का भविष्य संकट में डाल दिया है। युवा कांग्रेस नेता गोपाल भट्ट ने कहा कि लाखों छात्र–छात्राओं और उनके परिवारों ने कठिन परिस्थितियों में रहकर परीक्षा की तैयारी की, लेकिन उन्हें बदले में अव्यवस्था और भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ा। उन्होंने नीट पेपर लीक मामले की न्यायिक जांच कराने, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने की मांग उठाई।

मंदिर परिसर के नए कक्ष और प्रांगण का विधायक ने किया लोकार्पण

नई टिहरी। जाखणीधार ब्लॉक के ग्राम पंचायत पट्टूडी के बूढाकेदार मंदिर परिसर में नवनिर्मित कक्ष और प्रांगण का विधायक विक्रम सिंह नेगी ने लोकार्पण किया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 8 लाख की विधायक निधि से कक्ष और प्रांगण का निर्माण किया गया। लोकार्पण अवसर पर मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया।

विधायक नेगी ने कहा कि देवी–देवताओं के मंदिर हमारी आस्था और संस्कृतिक के केंद्र है। ऐसे धार्मिक आर्योजनों से समाज में भाईचारा और आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है। ग्रामीणो की ओर से मंदिर में चांदी के ढोल ल की प्राण प्रतिष्ठा की गई।इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष मान सिंह रौतेला, पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रदीप चंद रमोला, देवता के पशुवा भीम सिंह नेगी, विनोद सिंह नेगी, सब्बल सिंह सजवाण, गंभीर सिंह नेगी, महावीर सिंह रावत, दलबीर सिंह नेगी, उम्मेद लाल, गोविंद सिंह नेगी, विजय लाल, दयाल सिंह ,भीम सिंह आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा पुलिस की मासिक गोष्ठी में अपराध नियंत्रण पर मंथन

अल्मोड़ा। पुलिस लाइन सभागार में शुक्रवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके की अध्यक्षता में मासिक अपराध गोष्ठी और सैनिक सम्मेलन आयोजित किया गया। बैठक में जनपद के सभी पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध नियंत्रण, लंबित विवेचनाओं, साइबर अपराध, नशा तस्करी और यातायात व्यवस्था को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। गोष्ठी की शुरुआत सैनिक सम्मेलन से हुई, जिसमें पुलिस कर्मियों की व्यक्तिगत और विभागीय समस्याओं को सुना गया। एसएसपी ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। बैठक में सभी थाना प्रभारियों और विवेचकों को लंबित मामलों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सीसीटीएनएस कार्यों की नियमित निगरानी, डायल 112 से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई और न्यायालय से जारी वारंट व समन की प्रभावी तामील पर भी जोर दिया गया।

एसएसपी ने आईपीएल मैचों के दौरान सट्टा और जुआ गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही आदतन अपराधियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई, फरार और इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी तथा स्मैक, गांजा और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सख्त अभियान चलाने को कहा। बैठक में बीट पुलिसिंग को और अधिक सक्रिय बनाने, ई–बीट बुक नियमित अपडेट करने तथा ग्राम प्रधानों और स्थानीय लोगों के साथ समन्वय बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया गया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की एसआईआर को लेकर राजनैतिक दलों संग बैठक

देहरादून। भारत निर्वाचन आयोग कि निर्देशों के कम में आगामी 29 मई से उत्तराखण्ड में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रकिया प्रारम्भ होगी। इसी क्रम में शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम ने सचिवालय में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर एसआईआर को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों से इस अभियान में सहयोग करने की अपील की। इस दौरान उन्होंने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से न छूटे और अपात्र मतदाता, सूची में शामिल ना हो। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बताया कि उत्तराखण्ड राज्य में 1 जुलाई 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर एसआईआर प्रक्रिया संपन्न की जाएगी। इस दौरान 29 मई से 7 जून 2026 तक गणना प्रपत्र के प्रिंटिंग, कर्मचारियों के प्रशिक्षण सम्बंधी कार्य सम्पादित किए जाएंगे। 8 जून से 7 जुलाई

2026 तक बीएलओ द्वारा घर–घर जाकर गणना प्रपत्र का वितरण एवं संकलन किया जाएगा। 14 जुलाई 2026 को ड्राफ्ट रोल का प्रकाशन किया जाएगा इसके साथ ही 14 जुलाई से 13 अगस्त 2026 के बीच दावे एवं आपत्तियों को दर्ज करने का समय दिया गया है। इसी बीच 10 जुलाई से 11 सितंबर 2026 तक सभी नोटिस जारी कर दावे आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। आयोग के निर्देशानुसार 15 सितंबर 2026 अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

मानकों के विपरित संचालित 96 होमस्टे के डीएम ने किए पंजीकरण निरस्त

देहरादून। जिला प्रशासन ने नियमों को ताक पर रखने वाले और गाइडलाइंस का पालन नहीं करने वाले 79 होमस्टे के पंजीकरण निरस्त कर दिए हैं। प्रशासन ने मई में दो चरणों में कार्रवाई कर कुल 96 होमस्टे का पंजीकरण निरस्त कर सख्त संदेश दिया है। जिला प्रशासन की 5 मजिस्ट्रेट टीमों ने अब तक जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 136 होम स्टे का निरीक्षण किया। टीम ने कईहोम स्टे का संचालन मानकों के विपरित होना पाया। टीम ने 96 होमस्टे का पंजीकरण निरस्त कर पर्यटन वेबसाइट से विलोपित की प्रक्रिया शुरू कर दी है। डीएम सविल बंसल ने बताया कि प्रशासन ने ऑपरेशन सफाई शुरू करते हुए प्रथम चरण में 17 तथा द्वितीय चरण में 79 अवैध होमस्टे का पंजीकरण निरस्त कर दिया है और आगे भी कार्रवाई गतिमान रहेगी। सहसपुर एवं रायपुर विकासखंड के नगरीय क्षेत्रों में पंजीकृत होमस्टे की जांच के लिए क्षेत्रवार समितियों का गठन किया गया। समितियों द्वारा निरीक्षण उपरांत 96 होमस्टे ऐसे पाए गए जो उत्तराखंड गृह आवास (होमस्टे) नियमावली के प्रावधानों के अनुरूप संचालित नहीं हो रहे थे। इन सभी के पंजीकरण निरस्त करने की संस्तुति की गई, जिसे स्वीकार करते हुए प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई।निरीक्षण के दौरान कई होमस्टे में रसोई की व्यवस्था नहीं पाई गई। अग्निशमन उपकरण अनुपलब्ध मिले। कुछ में एक्स्पायरी उपकरण मिले। कुछ होमस्टे पंजीकृत होने के बावजूद संचालित नहीं पाए गए। होमस्टे की स्थितिः प्रशासनिक अधिकारियों की जांच में सामने आया कि होमस्टे भी लीज पर संचालित हो रहे थे।

नीट पेपर लीक और महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

रुद्रप्रयाग। नीट पेपर लीक मामले और बढ़ती महंगाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य बाजार में केंद्र सरकार के विरोध में प्रदर्शन किया और पुतला फूंका। इस दौरान कांग्रेस जिला कार्यकारिणी और युवा कांग्रेस ने संयुक्त रूप से केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। कांग्रेस जिला प्रवक्ता नेता नरेंद्र बिष्ट ने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने में विफल साबित हुई है। कांग्रेस नेता लक्ष्मण रावत ने कहा कि लगातार पेपर लीक की घटनाएं सामने आ रही हैं और इसमें रसूख वाले लोगों की संलिप्तता के आरोप लग रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने की बात कही। पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष राय सिंह बिष्ट ने कहा कि जनता ने भाजपा सरकार को तीन बार मौका दिया, लेकिन सरकार लोगों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष आकाश कप्रवाण, विधानसभा अध्यक्ष मनमोहन कप्रवाण, नगर अध्यक्ष प्रियांशु आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं अगस्त्यमुनि में भी ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्य व केंद्र सरकार का पुतला दहन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप सिंह कण्डारी नेतृत्व में प्रदर्शन करते हुए कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

रुद्रप्रयाग जिले में हुई बारिश, सड़कों पर हुई फिसलन

रुद्रप्रयाग। जनपद मुख्यालय में शुक्रवार सुबह खिली धूप और दोपहर बाद मुख्यालय, अगस्त्यमुनि, जखोली, ऊखीमठ, गुप्तकाशी सहित आसपास के क्षेत्रों में जोरदार बारिश हुई। अचानक हुई बारिश से लोगों को उमस और गर्मी से कुछ राहत मिली। हालांकि बारिश के कारण कई क्षेत्रों में सड़कें फिसलन भरी हो गईं और जगह–जगह पानी भरने से लोगों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।वही बारिश के कारण जिला मुख्यालय से सटे तूना–बौंठा मार्ग की हालत और खराब हो गई है। तेज बारिश के कारण नहरों व नालियों का पानी सड़क पर बहने लगा है जिससे दुपहिया वाहन चालकों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा। तूना–बौंठा मार्ग पर करीब साढ़े दस किलोमीटर हिस्से के डामरीकरण और सुदृढ़ीकरण को सरकार से वित्तीय स्वीकृति मिल चुकी है लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं हुआ है।

मानसून से पहले प्रशासन अलर्ट, डीएम कोंडे ने दिये सभी विभागों को व्यापक तैयारियों के निर्देश

बागेश्वर। डीएम आकांक्षा कोंडे की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा बैठक में आगामी वर्षा ऋतु के दौरान संभावित आपदा परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने को लेकर विस्तृत रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मानसून अवधि में जनजीवन प्रभावित न हो, इसके लिए सभी विभाग समन्वित रूप से सतर्कता एवं तत्परता के साथ कार्य करें। जिलाधिकारी ने संवेदनशील एवं भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां पूर्व तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क निर्माणदायी संस्थाओं

को निर्देशित किया कि संवेदनशील मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर पर्याप्त संख्या में जेसीबी मशीनें तैनात रखने की तैयारी की जाए तथा सभी जेसीबी ऑपरेटरों की संपर्क सूची जिला प्रशासन को उपलब्ध कराई जाए, ताकि आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई संभव हो सके।

बैठक में पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य सेवाओं और सड़क संपर्क व्यवस्था को मानसून अवधि में सुचारु बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

गांव,गरीब और युवाओं का विकास सरकार की प्राथमिकता: चौधरी

–महिलाओं के आर्थिक विकास और सशक्तिकरण पर जोर

उत्तरकाशी। प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं,नीतियों को धरातल पर उतारने और विकास योजनाओं की वास्तविक प्रगति का आकलन करने के उद्देश्य से शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ जिले में चल रहे विकासात्मक कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक के दौरान ग्राम्य विकास, स्वरोजगार, लघु एवं सूक्ष्म उद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग, मनरेगा, आजीविका संवर्धन, ग्रामीण अवस्थापना विकास, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्यान, पशुपालन सहित विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को

स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही के साथ समय सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा के दौरान कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य गांव, गरीब, किसान, महिला एवं युवाओं को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना है। जिले के दूरस्थ क्षेत्रों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाए, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी शासन की नीतियों का लाभ मिल सके। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कैबिनेट मंत्री ने विशेष निर्देश देते हुए कहा कि महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों और एनआरएलएम के माध्यम से स्वरोजगार के साधनों से जोड़ा जाए। उन्होंने अधिकारियों से महिलाओं को एक सशक्त 'वर्क फोर्स' के रूप में प्रोत्साहित करने का आवाहन किया जिससे वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र होकर परिवार और समाज की उन्नति में सक्रिय योगदान दे सकें। स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार से जोड़ने के लिए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है।

नर्सिंग बेरोजगार बोले– हम पर झूठे मुकदमे दर्ज किए

देहरादून। नर्सिंग बेरोजगारों ने वर्षवार भर्ती की मांग को लेकर आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमे को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि झूठे मुकदमे दर्ज किए गए। शुक्रवार को प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में नर्सिंग एकता मंच के अध्यक्ष नवल पुंडीर ने कहा कि नर्सिंग बेरोजगार वर्षवार भर्ती की मांग कर रहे हैं। लेकिन सरकार उनकी मांगों को पूरा नही कर रही है। कहा कि मांगों को लेकर उत्तराखंड सरकार के मंत्री समेत 55विधायकों ने उनकी मांगों को लेकर सहमति जताई जिसके संबंध में पत्र भी उन्हें सौंपा। कहा कि नर्सिंग बेरोजगारों ने भर्ती की मांग को लेकर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत, स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल, सीएम पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। कहा कि सरकार की ओर से आश्वासन तो मिला ।

एक नजर

सिलिंडर लेने उमड़ी उपभोक्ताओं की भीड़

श्रीनगर गढ़वाल : थाना रोड पर शुक्रवार को इंडेन गैस सिलिंडर वितरण के दौरान लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। करीब दो माह बाद गैस की गाड़ी पहुंचने की सूचना मिलते ही लोग सुबह छः बजे से ही खाली सिलिंडर लेकर लाइन में लगने शुरू हो गए थे। समय बढ़ने के साथ भीड़ लगातार बढ़ती गई और सुबह नौ बजे तक थाना रोड पर लाइनें लगने लगीं । सुबह करीब 10 बजे इंडेन गैस की गाड़ी 288 सिलिंडर लेकर पहुंची तो लोगों ने राहत की सांस ली। भीड़ अधिक होने के बावजूद गैस वितरण को व्यवस्थित तरीके से कराने का प्रयास किया गया। इस दौरान वार्ड पार्षद रश्मि ने भी मौके पर पहुंचीं। लोग धूप में घंटों तक अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिए। तेज धूप और लंबी प्रतीक्षा के चलते कुछ लोग पेरशान भी दिखे हालांकि बाद में स्थिति सामान्य हो गई। सुबह 10 बजे शुरू हुआ गैस वितरण दोपहर तीन बजे तक चला। तीन बजे तक भी करीब 30 लोग लाइन में खड़े रहे। जीएमवीएन इंडेन गैस एजेंसी के प्रबंधक नीलकमल कपरवाण ने बताया कि सुबह 288 सिलिंडर लेकर गाड़ी पहुंची थी। कहा कि पिछले दिनों सप्लाई प्रभावित रहने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा, लेकिन यदि गैस की नियमित आपूर्ति बनी रही तो जल्द स्थिति सामान्य हो जाएगी। (एजेंसी)

नीट पेपर लीक पर कुलपति ने जारी किया संदेश

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने नीट यूजी परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक प्रकरण पर विद्यार्थियों से धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने विश्वविद्यालय के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में विद्यार्थियों के मन में चिंता होना स्वाभाविक है, लेकिन किसी भी परीक्षा की शुचिता और विश्वसनीयता सर्वोपरि है। कहा कि लाखों विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम के साथ इन परीक्षाओं की तैयारी करते हैं ऐसे में नकल माफियाओं की गतिविधियां ईमानदार प्रतिभाओं के साथ अन्याय हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से किसी भी बहकावे में न आने और अपनी तैयारी निरंतर जारी रखने का आग्रह किया। (एजेंसी)

परिवार समाज की सबसे महत्वपूर्ण इकाई : कलीम

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस पर शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से सेंट थॉमस कॉन्वेंट स्कूल में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान पेंटिंग प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने परिवार एवं सामाजिक एकता विषय पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को परिवार के महत्व, विधिक अधिकारों, बाल संरक्षण, साइबर अपराधों से बचाव, नशा मुक्ति, शिक्षा के अधिकार व महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। इस दौरान प्राधिकरण की सचिव नाजिश कलीम ने कहा कि परिवार समाज की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है, जहां बच्चों को संस्कार, अनुशासन और सामाजिक मूल्यों की शिक्षा मिलती है। उन्होंने बच्चों को परिवार के प्रति सम्मान, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर सीएमओ डॉ. शिव मोहन शुक्ला, डॉ. शशांक, विनोद कुमार, जीजो पालाथिंकल, सिस्टर मैरीन, डॉ. सौम्या, लक्ष्मी आदि मौजूद रहे।

एसएफआई ने फूंका एनटीए और केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला

श्रीनगर गढ़वाल : स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) की ओर से शुक्रवार को गढ़वाल विवि के बिड़ला परिसर के मुख्य द्वार पर नीट परीक्षा के पेपर लीक मामले में जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान छात्रों ने नारेबाजी करते हुए एनटीए और केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला जलाया। उन्होंने परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए जाने व दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन में शामिल छात्र-छात्राओं ने परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर की महत्वपूर्ण परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक की घटनाएं सामने आना शिक्षा व्यवस्था की गंभीर विफलता को दर्शाता है। छात्रों ने कहा कि पारदर्शिता और सुधार के बड़े-बड़े दावों के बावजूद इस तरह के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, जिससे युवाओं का भरोसा टूट रहा है। कहा वर्षों तक कठिन मेहनत और तैयारी करने वाले ईमानदार छात्रों का भविष्य ऐसी घटनाओं से प्रभावित हो रहा है। छात्रों ने आरोप लगाया कि सरकार और संबंधित एजेंसियां व्यवस्था में सुधार की बातें तो करती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर छात्रों का भविष्य सुरक्षित नजर नहीं आ रहा है। एसएफआई इकाई सचिव अंजलि ने कहा कि हर साल पेपर लीक जैसी घटनाएं हो रही हैं, जिससे छात्रों में भारी आक्रोश है। प्रदर्शन में निर्देशा, अंकुर, योगेश, विशाल, अक्षय, दर्शिका, गौरव, सवी, कीर्तिका आदि मौजूद रहे।

नैखरी कैंपस और देवप्रयाग कॉलेज में बनेगी कंप्यूटर लैब

नई टिहरी। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के चंद्रबदनी नैखरी कैंपस और राजकीय महाविद्यालय देवप्रयाग में कंप्यूटर लैब निर्माण के लिए शासन से चार करोड़ छह लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। शुक्रवार को बादशाहीथौल स्थित विश्वविद्यालय में आयोजित बैठक में देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने बताया कि कार्यदायी संस्था जल्द निर्माण कार्य शुरू करेगी।विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एनके जोशी ने नैखरी कैंपस में बीसीए, होटल मैनेजमेंट और गृह विज्ञान विषय शुरू करने के लिए पद सृजन संबंधी प्रस्ताव शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश प्राचार्य डॉ. महंत मौर्य को दिए। बैठक में विधायक कंडारी ने बताया कि कीर्तिनगर ब्लॉक के धद्दी घंडियाल में प्रस्तावित राजकीय महाविद्यालय का संचालन इस सत्र से शुरू किया जाएगा। इसके लिए इंटर कॉलेज के पांच कमरे उपलब्ध कराए गए हैं जबकि फर्नीचर व अन्य सुविधाओं के लिए पांच लाख रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है। शिक्षकों और शिक्षणेतर कर्मचारियों के पांच-पांच पद भी सृजित किए गए हैं।

शहीद सुशील चंद्र कंडवाल की बेटी प्रीति बनीं चिकित्साधिकारी

ऑपरेशन मेघदूत में शहीद हुए थे सुशील चंद्र कंडवाल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जिंदगी तो सभी जीते हैं, लेकिन खास वे लोग होते हैं जो किसी खाक मकसद के लिए जीते हैं। ऐसा ही एक उदाहरण बनी है देवी रोड डबराल कॉलोनी निवासी प्रीति कंडवाल। ऑपरेशन मेघदूत में शहीद हुए सुशील चंद्र कंडवाल की पुत्री प्रीति ने उनके पिता के सपने को साकार करके दिखाया है। प्रीति का चयन उत्तराखंड में चिकित्साधिकारी के पद पर हुआ है। प्रीति की यह सफलता केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि बलिदानी पिता को सच्ची श्रद्धांजलि है।

गुरुवार को देहरादून में जब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने डा. प्रीति कंडवाल को नियुक्ति पत्र सौंपा तो यह बलिदानी के परिवार के लिए अत्यंत भावुक पल था। प्रीति की माता मीनाक्षी कंडवाल को वह पल याद आया जब पिता ने बेटी को पहली बार गोद में

अपनी माता मीनाक्षी कंडवाल के साथ प्रीति कंडवाल

उठाया और उसे भविष्य में डॉक्टर बनाने की बात कही थी। मीनाक्षी कंडवाल ने बताया कि उनकी दो बेटियां है बड़ी बेटी दीप्ति इंजीनियर है और छोटी बेटी प्रीति आज चिकित्साधिकारी के पद पर नियुक्त हुई है। बताया कि 1996 में जब उन्हें पति के बलिदानी होने की सूचना मिली तो उस समय उनकी बड़ी बेटी दो वर्ष और छोटी बेटी मात्र पांच माह की थी। खबर सुनते ही वह भीतर से पूरी तरह टूट चुकी थी। वह बचपन से ही प्रीति को उसके पिता के सपने के बारे में बताती थी। प्रीति ने भी पिता के सपने को साकार करने के लिए पूरी मेहनत की। प्रीति ने बताया कि कोटद्वार से दसवीं व 12वीं की परीक्षा पास करने के बाद उन्होंने आर्मी कालेज आफ मेडिकल साइंसेज नई दिल्ली से एमबीबीएस की पढ़ाई की। इसके उपरांत उन्होंने वर्धमान महावीर मेडिकल कालेज और सफदरजंग अस्पताल से एमडी की पढ़ाई की। वर्तमान में वह जनकपुरी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल नई दिल्ली में सीनियर रेजिडेंट पैथोलाजिस्ट के तौर पर कार्य कर रही थी। बताया कि उन्होंने सदैव अपने पिता के सपने को अपना लक्ष्य बनाया हुआ था।

घरेलू विवाद के बाद घर छोड़कर भटक रहे बुजुर्ग को पुलिस ने परिवार से मिलाया

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सड़क पर बेसहारा घूम रहे एक बुजुर्ग को कोटद्वार पुलिस ने उनके स्वजनों के सुपुर्द किया है। कई दिनों से घर से लापता बुजुर्ग घरेलू विवाद के कारण मानसिक रूप से परेशान होकर इधर-उधर भटक रहे थे।

जानकारी के अनुसार, 6 मई को सिद्धबली मंदिर क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात महिला होमगार्ड मंजू की नजर एक बुजुर्ग व्यक्ति पर पड़ी, जो असहाय अवस्था में सड़क किनारे घूम रहे थे। उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं लग रही थी। स्थिति को गंभीरता से लेते हुए मंजू ने तुरंत एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को सूचना दी। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और बुजुर्ग से बातचीत की। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम कल्याण सिंह निवासी नजीबाबाद, जिला बिजनौर (उत्तर प्रदेश) बताया। उन्होंने बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते वह बिना किसी को बताए घर छोड़कर निकल गए थे और पिछले कुछ समय से कोटद्वार क्षेत्र में भटक रहे थे।

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उनके परिजनों से संपर्क किया। सूचना मिलते ही स्वजन कोटद्वार कोतवाली पहुंचे। परिजनों ने बताया कि वे लगातार उनकी तलाश कर रहे थे। आवश्यक औपचारिकताओं के बाद पुलिस ने बुजुर्ग को सकुशल उनके परिवार के सुपुर्द कर दिया।

124 लाख की पेयजल योजना का शिलान्यास, 4000 लोगों को मिलेगा लाभ

आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अधिकारी व जनप्रतिनिधि।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 38 झंडीचौड़ उत्तरी में 124 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नलकूप एवं पंपिंग कार्य का शिलान्यास किया गया। योजना के शुरू होने से क्षेत्रवासियों को बेहतर और नियमित पेयजल सुविधा मिलने की उम्मीद जगी है। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने वर्चुअल माध्यम से योजना का शिलान्यास करते हुए कहा कि क्षेत्र में पेयजल व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में लोगों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 से अब तक कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में 10 नलकूप स्थापित किए जा चुके हैं। नई योजना के पूर्ण होने पर झंडीचौड़ उत्तरी, झंडीचौड़ पूर्वी, झंडीचौड़ पश्चिमी, रामदयालपुर, लोकमणिपुर और गंदरियाखाल क्षेत्र के करीब 4000 लोगों को स्वच्छ और नियमित पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि प्रमोद केष्टवाल, कमल नेगी, महेश नेगी, राजेंद्र जजेडी, अमिताभ अग्रवाल, पार्षद राजेंद्र बिष्ट, रजनीश बेबनी, कुबेर जलाल, सुदर्शन सिंह, राजीव डबराल, अनिल गौड़ और सतीश धूलिया सहित कई जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षा के 13 मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

श्रीनगर गढ़वाल : नंदा पाती मंदिर समिति की ओर से शुक्रवार को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज श्रीकोट गंगानाली में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 13 मेधावियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को स्मृति चिह्न व शुभकामनाएं देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य भीमराज बिष्ट ने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन से विद्यालय लगातार बेहतर परिणाम दे रहा है। उन्होंने छात्रों को आगे भी इसी लगन के साथ अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। समिति के अध्यक्ष भगवती प्रसाद पुरी ने कहा कि शिक्षा ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है और विद्यार्थियों को अनुशासन, संस्कार एवं गुरुजनों के सम्मान को हमेशा प्राथमिकता देनी चाहिए। कार्यक्रम में विमल प्रसाद बहुगुणा, दीनबंधु सिंह, गोपाल कृष्ण, कमलेश, डॉ. रोहित, खिलेंद्र आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

जंगल चारापत्ती लेने गई युवती खाई में गिरी, घायल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पाबौ ब्लॉक के सैंजी-नौठा मार्ग के बीच जंगल में चारापत्ती लेने गई एक युवती पैर फिसलने से गहरी खाई में जा गिरी। युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। सीएचसी पाबौ में प्राथमिक उपचार के बाद युवती को जिला अस्पताल पौड़ी रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार ग्राम बुरांसी निवासी पायल शुक्रवार को जंगल में चारापत्ती लेने गई थी। इसी दौरान अचानक से संतुलन बिगड़ने पर वह गहरी खाई में गिर गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया। तत्पश्चात जगतेश्वर इंटर कॉलेज के छात्रों ने साहस दिखाते हुए खाई में उतरकर युवती का रेस्क्यू किया। युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने 108 एंबुलेंस से घायल को सीएचसी पाबौ पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल में रेफर किया गया। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. पंकज सिंह ने बताया कि युवती के हाथ, पैर और चेहरे पर चोटें आई हैं। स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के अध्यक्ष महेंद्र रावत को मिला सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह रावत को समाज और पूर्व सैनिकों के हित में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए 'पूर्व सैनिक अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें लेफ्टिनेंट जनरल दिनेश रणा (पीबीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, सेना मेडल), कर्नल कमांडेट गढ़वाल राइफल्स के हाथों प्रदान किया गया।

सम्मान प्राप्त करने के बाद महेंद्र पाल सिंह रावत ने कहा कि यह पुरस्कार उनके लिए केवल गर्व का विषय नहीं, बल्कि एक नई जिम्मेदारी का एहसास भी कराता है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान वर्षों की मेहनत और पूर्व सैनिकों व वीर नारियों की सेवा का परिणाम है। उन्होंने बताया कि अब तक वे हजारों पूर्व सैनिकों और वीर नारियों की पेंशन, चिकित्सा, राजस्व एवं अन्य समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। उनका कहना था कि सेना से सेवानिवृत्ति के बाद भले ही वर्दी

महेंद्र पाल रावत को सम्मानित करते अधिकारी

उतर जाती है, लेकिन देश और समाज के प्रति कर्तव्य कभी समाप्त नहीं होता। महेंद्र पाल सिंह ने कहा कि वीर नारियों और पूर्व सैनिकों की समस्याओं का समाधान कराना ही उनका मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने दोहराया कि जब तक अंतिम पूर्व सैनिक सम्मान और अधिकार के साथ सिर ऊंचा करके खड़ा नहीं हो जाता, तब तक समिति का संघर्ष जारी रहेगा।

उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम पर शिक्षक राजीव शर्मा सम्मानित

उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षक राजीव शर्मा को सम्मानित करते अतिथि।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत सिगड्डी स्थित राजकीय इंटर कॉलेज जयदेवपुर के गणित शिक्षक राजीव शर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर की ओर से आयोजित उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह में प्रदान किया गया।

शुक्रवार को आयोजित समारोह में प्रदेश के सभी 13 जनपदों से कुल 114 शिक्षकों का चयन किया गया था। इनमें राजकीय इंटर कॉलेज जयदेवपुर के शिक्षक राजीव शर्मा को बोर्ड परीक्षाओं में गणित विषय में शत-प्रतिशत परिणाम दिलाने पर सम्मानित किया गया। राजीव शर्मा की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय के प्रधानाचार्य शोबेंद्र जोशी ने उन्हें सम्मानित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरे विद्यालय के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि राजीव शर्मा ने अपनी मेहनत और बेहतर शिक्षण पद्धति से विद्यार्थियों को प्रेरित कर उत्कृष्ट परिणाम दिलाए हैं। प्रधानाचार्य ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी वह विद्यार्थियों को इसी तरह मार्गदर्शन देकर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

तीन सप्ताह बाद शुरू हुई बेस अस्पताल की एक्सरे सेवा, मरीजों को मिली राहत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय बेस चिकित्सालय में पिछले तीन सप्ताह से बंद पड़ी एक्सरे सेवा आखिरकार दोबारा शुरू हो गई है। एक्सरे मशीन के सॉफ्टवेयर में आई तकनीकी खराबी को इंजीनियरों ने ठीक कर दिया है, जिसके बाद शुक्रवार से मरीजों के एक्सरे किए जाने लगे। सेवा बहाल होने से मरीजों और अस्पताल प्रशासन दोनों ने राहत की सांस ली है।जानकारी के अनुसार, करोड़ों रूपये की लागत से संचालित एक्सरे मशीन के सॉफ्टवेयर में 24 मई 2026 को तकनीकी खराबी आ गई थी। खराबी के चलते एक्सरे विभाग पर ताला लगाना पड़ा और मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई मरीजों को निजी केंद्रों का सहारा लेना पड़ा, जहां उन्हें अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा था। करीब 21 दिनों के लंबे इंतजार के बाद इंजीनियरों की टीम ने मशीन की तकनीकी दिक्कत को दूर कर दिया। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने एक्सरे विभाग को फिर से शुरू कर दिया है। अब चिकित्सकों की सलाह पर मरीजों के एक्सरे किए जा रहे हैं। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि एक्सरे सेवा दोबारा शुरू होने से मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी और उपचार प्रक्रिया भी पहले की तरह सुचारु रूप से चल सकेगी। लंबे समय से बंद सेवा के कारण अस्पताल पर बढ़ रहा दबाव भी अब कम होने की उम्मीद है।

भारत गैस के उपभोक्ताओं को हो रही तत्काल आपूर्ति

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर व श्रीनगर में भारत गैस एजेंसी के उपभोक्ता भी हैं। इन उपभोक्ताओं के लिए गैस आपूर्ति सुचारू रखने के लिए एजेंसी की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। यहां भारत गैस एजेंसी के प्रोपराइटर देवेंद्र खंडेवाल ने बताया कि जिन क्षेत्रों में उनके उपभोक्ता हैं वहां पर समय से गैस सिलिंडर पहुंचाए जा रहे हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	54-DRM-MB-26-27 dt. 13.05.2026	55-DRM-MB-26-27 dt. 13.05.2026
Name of Work	Construction of yard drains in the section of Sr. DEN/HQ/MB.	New Construction of 30 beds RPF Female Barrack, with 01 room Subordinator officer including change room, mess store, GYM, Dining and Recreation room along with rooftop solar panel RPF Post Moradabad.
Tender Closing Date	08/06/2026	08/06/2026
Advertised Value (Rs.)	2,29,04,078.15	2,85,50,854.68
Earnest Money (Rs.)	4,58,100.00	5,71,000.00
Tender Cost (Rs.)	00	00
Bidding Start Date	25.05.2026	25.05.2026
Period of Completion	6 Months	6 Months

No. 75-W/2/3/WA/Publication DATED : 13.05.2026 1631/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की तरफ से, उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए **दो पैकेट प्रणाली** के तहत खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:

1.	कार्य का नाम व स्थान	उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद के कार्य क्षेत्र में मलिहाबाद स्टेशन यार्ड में लखनऊ-मुरादाबाद सेक्शन पर किलोमीटर 1097/23-27 पर लेवल क्रॉसिंग संख्या 233 ('बी' श्रेणी) के स्थान पर (02-लेन) आरओबी (स्पैन 1x46.00 मीटर सी/सी एक्सपेंशन जॉइंट) (कंपोजिट स्टील गर्डर) का निर्माण कार्य करने के संबंध में।
2.	कार्य पूरा करने की अवधि	12 (बारह) माह
3.	कार्य की अनुमानित लागत	रू. 1329.63 लाख
4.	जमा की जाने वाली जमानत राशि	रू. 26,59,300/-
5.	निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र की बृहत जानकारी	ई निविदा प्रपत्र की बृहत सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपर्युक्त निविदा प्रपत्र आईआरईपीएस की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर दिनांक 14.05.2026 से दिनांक 05.06.2026 को 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी। उपर्युक्त टेण्डर के सम्बन्ध में अन्य सभी नियम व शर्तें टेण्डर डॉक्यूमेंट में दी गई हैं। निविदा सूचना की बृहत जानकारी कार्यालय में निविदा सूचना बोर्ड से प्राप्त की जा सकती है।
6.	अन्तिम तिथि/ई-निविदा अपलोड करने की तिथि	05.06.2026 को 15:00 बजे तक। ई-निविदा दिनांक 22.05.2026 से 05.06.2026 को 15:00 बजे तक आईआरईपीएस की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर अपलोड की जा सकती है।
7.	ई-निविदा खुलने की तिथि व समय	टेकनिकल कम कमर्शिअल बिड दिनांक 05.06.2026 को 15:00 बजे तक ई-टेण्डर अपलोडिंग बन्द होने के तुरन्त बाद खोली जाएगी। योग्य टेंडरर की फाइनेन्शिअल बिड कार्यालय द्वारा दी गई दिनांक व समय की सूचना के आधार पर बाद में खोली जाएगी।

निविदा सूचना सं०- 1-डब्लू-टेण्डर-296-उप मु० अभि० नि० मुरादाबाद दिनांक-14.05.2026 1625/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/III/मुरादाबाद द्वारा ई-टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	46-DRM-MB-26-27 DATE 13.05.2026	48-DRM-MB-26-27 DATE 13.05.2026	49-DRM-MB-26-27 DATE 13.05.2026	50-DRM-MB-26-27 DATE 13.05.2026
कार्य का नाम	Provision of Divyangjan facilities at various stations under ADEN/SPN.	Renewal of Turn out and associated works in the section of ADEN/SPN under Sr.DEN/III/MB.	Renewal of Turn out and associated works in the section of ADEN/BE under Sr.DEN/III/MB.	Contruction of yard drain in the section of Sr.DEN/III/MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	08.06.2026 at 16:00 Hrs.	08.06.2026 at 16:00 Hrs.	08.06.2026 at 16:00 Hrs.	08.06.2026 at 16:00 Hrs.
अनुमानित लागत (रु.)	2,24,53,165.65	1,45,56,288.22	1,40,52,371.88	2,37,73,823.43
धरोहर राशि (रु.)	4,49,100.00	2,91,100.00	2,81,100.00	4,75,500.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	25.05.2026	25.05.2026	25.05.2026	25.05.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	10 Months	12 Months	12 Months	08 Months

सं.: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 13.05.2026 1616/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/II मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नही होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	57-DRM-MB-26-27 Date : 14.05.2026	58-DRM-MB-26-27 Date : 14.05.2026	59-DRM-MB-26-27 Date : 14.05.2026
कार्य का नाम	CTR (P) - 3.596 Tkm on Passenger Running Loop Lines in ON-BLM Section under the Jurisdiction of ADEN-II/HRI	CTR (P) - 9.812 Km on Passenger Running Loop Lines in RAC-LKO section under the Jurisdiction of ADEN-I/HRI	Construction of 10 Nos Type-IV new quarters for staff at Balamau station in the section of SSE/W/BLM under ADEN-II/HRI
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	08.06.2026 16:00	08.06.2026 16:00	08.06.2026 16:00
अनुमानित लागत	1,18,29,166.41	2,69,33,265.28	2,55,97,469.61
धरोहर राशि	2,36,600.00	5,38,700.00	5,12,000.00
टेन्डर कॉस्ट	0.00	0.00	0.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	25.05.2026	25.05.2026	25.05.2026
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह	09 माह	06 माह

टेन्डर नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 14.05.2026 1622/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

अभद्रता गलत या माफी?

उत्तराखंड की एक महिला ग्राम प्रधान के साथ बुजुर्ग द्वारा किया गया अभद्र व्यवहार और उसके बाद की गई शिकायत के दौरान बुजुर्ग का माफी मांगना सामाजिक व्यवस्था एवं उम्र के अंतर पर बहस का विषय बन गया है। एक बुजुर्ग द्वारा महिला ग्राम प्रधान के साथ उसका हाथ पड़कर अभद्रता एवं खींचातानी की गई जो की वीडियो में स्पष्ट नजर आ रहा है। अब इसके बाद महिला की शिकायत पर दोनों पक्ष थाने पहुंचे जहां बुजुर्ग द्वारा अपने से लगभग तीन गुना छोटी उम्र की लड़की के पैर छूकर माफी मांगते हुए देखा जा सकता है। बस माफी के इसी तरीके ने अच्छे और बुरे के बीच एक फैसला खड़ा कर दिया है। या तो सत्य है कि समय का न्याय और कर्मों का फल सबको यथोचित मिलता ही है। वायु वृद्ध व्यक्ति से पैर छुए कर माफी मंगवाना निश्चित तौर पर सही नहीं माना जा सकता और यहां ग्राम प्रधान द्वारा थोड़ी विनम्रता बरतने की उम्मीद की जा सकती थी, लेकिन शायद वह आहत थी बुजुर्ग द्वारा सरेराह उसके साथ किए गए व्यवहार के कारण। एक जवान लड़की का हाथ सख्ती से पकड़कर धमकियां देना कैसे न्याय संगत हो सकता है? टिप्पणियां करने से पहले उस लड़की की जगह अपने घर की किसी लड़की को और बुजुर्ग की जगह अपने किसी बुजुर्ग को रखकर सोचना चाहिए और फिर निर्णय लेना चाहिए कि क्या गलत है और क्या सही? या तो दोनों ही ग़लत हैं या फिर दोनों ही सही हैं। मान–सम्मान, मर्यादा और संस्कार की बातें दूसरों के लिए की जाती हैं लेकिन जब अपने पर या अपनों पर गुजरती है तो इंसान सबकुछ भूलकर वही करता है जो उसे उचित लगता है। सामाजिक वर्जनाएं निरन्तर धराशाई होती जा रही हैं और इसके लिए बच्चों से ज्यादा बड़े जिम्मेदार हैं। बच्चे वही करते हैं जो बड़ों को करता हुआ देखते हैं। चाहे कोई बूढ़ा हो या जवान किसी को भी महिला के ऊपर लांछन या बिना इजाजत के छूने का अधिकार नहीं है, सुरक्षा की दृष्टि से देखा जाए तो महिला प्रधान ने सही किया क्योंकि इससे इनकी तरह की मानसिकता वाले लोगों को सबक मिलेगा और महिलाओं को हिम्मत। प्रतिकार किया जाएगा तो किसी भी क्षेत्र में खुद को शक्तिशाली समझने वाला इंसान ऐसा करने की हिम्मत नहीं जुटा पाएगा। शायद यह एक मानसिकता बन गई है कि हमारे बीच में कुछ लोग कभी भी बेटियों को आगे बढ़ता नहीं देख सकते उनको हर दृष्टि से बिटिया गलती नजर आती है। ऐसे लोगों को कानूनी तरीके से सजा मिलनी आवश्यक है, अन्यथा ऐसे लोगों के हौसले बढ़ते चले जाएंगे। उम्र का अंतर देखें तो दोनों ही लोगों को धैर्य और विनम्रता का पालन करना चाहिए था लेकिन यहां दोनों ही तरफ नैतिकता और सम्मान की हदें तो पर हुई ही हैं।

चिंतन-मनन

पत्थर की पूजा

संत नामदेव के जीवन से जुड़ी यह चर्चित कथा है। उनके पिता दामाशेट दर्जी थे। वह चाहते थे कि नामदेव उनका कारोबार आगे बढ़ाएं पर नामदेव तो दिन भर मंदिर में कीर्तन करते रहते थे। इससे दामाशेट दुखी रहते थे। एक दिन उन्होंने नामदेव को कपड़ों का एक गट्ठर सौंप दिया और कहा कि इसे वह बाजार में बेच आएं। नामदेव बाजार पहुंचे। वहां गट्ठर सामने रख विट्ठल के ध्यान में मग्न हो गए। सभी की कमाई हुई, पर नामदेव खाली ही रहे।

वहीं पास में खेत में कुछ पत्थर पड़े थे। उन्होंने पत्थरों को कपड़ों से ढक दिया और एक बड़े पत्थर से कहा कि आठ दिन बाद फिर आऊंगा, पैसे दे देना, ताकि पिता को हिसाब दे सपूं। पिता ने पूछा तो कहा कि आठ दिन बाद पैसे मिलेंगे। आठ दिन बाद नामदेव उस बड़े पत्थर के पास गए। पैसे मांगने लगे। पर वह कहां से देता! उन्होंने गुस्से में उसे उठाया और पंढरपुर के विट्ठल मंदिर ले आए। बोले- यहीं बापू को जवाब दे देना। दामाशेट बौखला रहे थे- कपड़ों के बदले पत्थर! नजदीक आकर देखा तो वह पूरा पत्थर सोने का हो गया था। यह समाचार सब ओर फैल गया।

स किसान के खेत का पत्थर था, वह आकर सोने का पत्थर मांगने लगा। नामदेव ने अपने कपड़े के पैसे मांगे व पत्थर उसे दे दिया। घर जाकर किसान ने देखा कि वह तो फिर पत्थर बन गया। वह गुस्से में नामदेव जी के घर वह पत्थर रख गया। आज भी उस पत्थर की पूजा नामदेव के मंदिर में होती है।

राष्ट्रहित पर राजनीति और कांग्रेस की दोहरी मानसिकता

कांतिलाल मांडोत

भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब देश ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और जनता ने अपने नेतृत्व पर भरोसा करते हुए त्याग किया। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक युद्ध संकट, बढ़ती तेल कीमतों और विदेशी मुद्रा पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सोने की खरीद कम करने और अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने की अपील की, तब कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी इसे सरकार की विफलता बताने लगे। यह वही कांग्रेस है जो अपने इतिहास के सबसे बड़े उदाहरणों को भी भूल चुकी है।

देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने संकट के समय हमेशा सामूहिक त्याग और अनुशासन के बल पर विजय प्राप्त की है। वर्ष 1965 में जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उस समय अमेरिका भारत को शर्तों के साथ अनाज देने को तैयार था, लेकिन शास्त्री जी ने इसे देश के स्वाभिमान के खिलाफ माना। उन्होंने पहले अपने परिवार पर प्रयोग किया और फिर पूरे देश से कहा कि एक समय भोजन छोड़कर राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें। उस दौर में जनता ने बिना सवाल किए इस अपील को स्वीकार किया। गांवों से लेकर शहरों तक लोगों ने एक वक्त का भोजन त्याग दिया ताकि देश विदेशी दबाव के सामने झुके नहीं।

यह घटना केवल इतिहास नहीं बल्कि भारतीय समाज की राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का सबसे बड़ा प्रमाण है। उस समय कांग्रेस के नेताओं और विपक्ष ने इसे 'विफलता' नहीं कहा था। किसी ने यह आरोप नहीं लगाया था कि प्रधानमंत्री जनता पर बोझ डाल रहे हैं। क्योंकि उस समय राजनीति से ऊपर राष्ट्रहित था। लेकिन आज कांग्रेस की राजनीति इतनी संकुचित हो चुकी है कि यदि देशहित में कोई अपील की जाती है तो उसे भी राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जो अपीलें की हैं, उनका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि वैश्विक संकट से देश को सुरक्षित रखना है। दुनिया इस समय युद्ध और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री लोगों से ईंधन की बचत करने, कारपूलिंग अपनाने, मेट्रो का उपयोग बढ़ाने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की बात करते हैं तो यह दूरदर्शिता है, विफलता नहीं।

कांग्रेस की समस्या यह है कि वह हर राष्ट्रीय मुद्दे में केवल राजनीतिक लाभ खोजती है। जब देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब कांग्रेस उसे रोकने का प्रयास करती दिखाई देती है। मोदी सरकार ने पिछले वर्षों में भारत को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया है, वह पूरी दुनिया देख रही है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। देश डिजिटल क्रांति में अग्रणी बन चुका है। करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खुले, गांवों तक बिजली पहुंची, मुफ्त राशन योजना से गरीबों को सुरक्षा मिली और भारत वैश्विक मंचों पर मजबूत आवाज बनकर उभरा।

कांग्रेस के शासनकाल में भारत को हर छोटे संकट में विदेशी संस्थाओं और देशों के सामने झुकना पड़ता था। कभी अमेरिका के दबाव में निर्णय लिए जाते थे तो कभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की शर्तों पर देश की नीतियां तय होती थीं। लेकिन आज भारत दुनिया को आंखों में आंखें डालकर जवाब देता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भरता की बात करते हैं। वे चाहते हैं कि भारत विदेशी निर्भरता कम करे और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए। सोने के आयात को कम करने की अपील भी इसी सोच का हिस्सा है। भारत हर वर्ष भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा सोने के आयात पर खर्च करता है। यदि संकट के समय कुछ समय के लिए संयम बरता जाए तो उससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत केवल आर्थिक नहीं बल्कि पर्यावरणीय आवश्यकता भी है। दुनिया के विकसित देश भी ऊर्जा बचत के लिए जनता से अपील करते हैं। लेकिन भारत में कांग्रेस हर सकारात्मक प्रयास का मजाक उड़ाने लगती है। राहुल गांधी का यह कहना कि 'देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं' वास्तव में उनकी राजनीतिक हताशा को दशार्ता है। जनता जानती है कि मोदी सरकार ने कठिन परिस्थितियों में भी देश को मजबूत बनाया है। कोरोना महामारी के समय भारत ने न केवल अपने नागरिकों को वैक्सीन दी बल्कि दुनिया के कई देशों की मदद भी की। सीमाओं पर भारत की ताकत बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आई है। अंतरिक्ष से लेकर तकनीक तक भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह सब किसी कमजोर नेतृत्व में संभव नहीं होता।

सच्चाई यह है कि कांग्रेस आज भी पुराने राजनीतिक ढर्रे से बाहर नहीं निकल पाई है। उसे लगता है कि केवल आलोचना करके जनता का समर्थन मिल जाएगा। लेकिन देश अब बदल चुका है। जनता समझती है कि राष्ट्रहित में कभी-कभी सामूहिक जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। जिस तरह लालबहादुर शास्त्री की अपील को देश ने स्वीकार किया था, उसी तरह आज भी लोग समझते हैं कि संकट के समय देश के साथ खड़ा होना आवश्यक है। विडंबना यह है कि कांग्रेस अपने ही नेताओं की विरासत भूल चुकी है। यदि शास्त्री जी आज जीवित होते तो शायद कांग्रेस उन्हें भी 'विफल प्रधानमंत्री' कह देती। क्योंकि आज की कांग्रेस का उद्देश्य राष्ट्रहित नहीं बल्कि केवल सत्ता प्राप्ति रह गया है। वह हर उस कदम का विरोध करती है जिससे भारत मजबूत बनता है।

भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा है। दुनिया भारत को नई आशा के रूप में देख रही है। वैश्विक संस्थाएं भारत की आर्थिक क्षमता की सराहना कर रही हैं। विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। भारतीय तकनीक, उद्योग और युवाशक्ति दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। ऐसे समय में देश को नकारात्मक राजनीति नहीं बल्कि सकारात्मक सोच की आवश्यकता है।

राष्ट्र निर्माण केवल सरकार का काम नहीं होता। उसमें जनता की भी भूमिका होती है। यदि देशहित में कुछ समय के लिए संयम बरतने की अपील की जाती है तो उसे राजनीति का मुद्दा बनाने के बजाय राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। भारत ने हमेशा त्याग, अनुशासन और एकता के बल पर चुनौतियों को हराया है और आगे भी हर संकट से मजबूती के साथ बाहर निकलेगा।

ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों के 'दिल्ली-विमर्श' के निहितार्थ

कमलेश पांडेय

ब्रिक्स (BRICS) के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय दिल्ली बैठक ने दुनिया को कई महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संदेश दिए हैं, जिनके कूटनीतिक निहितार्थ को समझने की जरूरत है। अन्यथा शेष दुनिया को अमेरिकी-यूरोपीय दादागिरी (नाटो सैन्य गठबंधन) के दुनियावी दांवपेंचों से निजात मिलनी मुश्किल है। लिहाजा, इस बैठक में मुख्य रूप से वैश्विक शक्ति-संतुलन, अमेरिकी प्रतिबंध नीति, पश्चिम एशिया संकट, वैश्विक व्यापार व्यवस्था और 'ग्लोबल साउथ' की भूमिका पर जोर दिखाई दिया।

देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चे पर अस्थिरता से गुजर रही है। ब्रिक्स के सदस्य देश - ईरान और यूएई सीधे तौर पर इस हलचल में शामिल है। ऐसे में यह जुटान पूरी दुनिया के लिए अहम हो जाती है। इस अहम बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, रूस के विदेश मंत्री सर्जेइ लावरोव और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची जैसे नेताओं के दूरदर्शिता भरे बयान विशेष चर्चा में रहे। जिसके दुनियावी मायने बेहद अहम हैं।

जिस तरह से कूटनीतिक सम्मेलन के पहले ही दिन जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ लगाए जाने वाले एकतरफा प्रतिबंधों का जिक्र किया, जो सबसे ज्यादा विकासशील देशों को नुकसान पहुंचाते हैं। स्वाभाविक तौर पर उनका इशारा अमेरिका है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से दुनिया को बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, ईरान मामले में भी गतिरोध की वजह बहुत हद तक वॉशिंगटन की अव्यवहारिक मांगें है। ब्रिक्स के बड़े मंच से उठी आवाज का असर ज्यादा होगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का उद्घाटन भाषण मौजूदा चुनौतियों का सही खाका खींचता है। पश्चिम एशिया पर मंडराता युद्ध का खतरा, ऊर्जा संकट, सप्लाई चेन में रुकावट और जलवायु परिवर्तन ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। तमाम देशों की अर्थव्यवस्था को मंदी में फंसने का डर सता रहा है। ऐसे में जैसा कि विदेश मंत्री ने कहा, विकासशील देशों ने ब्रिक्स से यह उम्मीद लगाई है कि यह मंच स्थिरता कायम करने में सकारात्मक भूमिका अदा करेगा। इसके कतिपय निहितार्थ इस प्रकार हैं-

पहला, एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौतीः बैठक का सबसे बड़ा संदेश यह था कि दुनिया अब केवल अमेरिका-केन्द्रित व्यवस्था पर निर्भर नहीं रहना चाहती। ब्रिक्स देशों ने 'मल्टीपोलर वर्ल्ड' के दृष्टिगत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। इसका अर्थ है कि वैश्विक निर्णयों में पश्चिमी देशों के साथ एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की शक्तियों की भी बराबर भूमिका हो।

दूसरा, अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोधः भारत, रूस, चीन और ईरान सहित कई देशों ने एकतरफा प्रतिबंधों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और संप्रभुता के खिलाफ बताया। विशेष रूप से एस जयशंकर ने कहा कि प्रतिबंध और दबाव कूटनीति का विकल्प नहीं हो सकते। यह संदेश सीधे तौर पर अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना माना गया।

तीसरा, डॉलर प्रभुत्व कम करने का संकेतः बैठक में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों पर भी चर्चा हुई। यह संदेश था कि ब्रिक्स देश डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं ताकि अमेरिकी आर्थिक दबाव का असर घटाया जा सके।

चतुर्थ, पश्चिम एशिया संकट पर चिंताः ईरान-इजराइल तनाव और समुद्री मार्गों की सुरक्षा बड़ा मुद्दा रहा। ब्रिक्स देशों ने रेड सी और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे मार्गों की सुरक्षा पर जोर दिया। दुनिया को यह संदेश दिया गया कि क्षेत्रीय युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि इस मंच के सामने भी चुनौती है। ईरान और यूएई के आपसी रिश्ते ठीक नहीं चल रहे। जबकि चीन ने अपने विदेश मंत्री को नहीं भेजा है।

एक बात और, जब सम्मेलन की शुरूआत हुई, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग तब ट्रंप की मेजबानी में व्यस्त थे। ब्रिक्स के सबसे बड़े विरोधी ट्रंप है। उन्हें लगता है कि यह मंच अमेरिकी हितों के खिलाफ खड़ा किया गया है। मेजबान होने के नाते यह भारत की जिम्मेदारी है कि यहां से निकला संदेश किसी के विरोध में नहीं, साझा हित में हो। भारत के पास सभी सदस्यों को करीब लाने और मौजूदा संकट का समाधान पेश करने का मौका है।

पांचवां, ग्लोबल साउथ की राजनीतिक आवाजः बैठक में यह स्पष्ट हुआ कि ब्रिक्स स्वयं को केवल आर्थिक समूह नहीं, बल्कि विकासशील देशों की सामूहिक राजनीतिक आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों की समस्याओं–जैसे खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा संकट और कर्ज–को वैश्विक एजेंडा में प्रमुखता देने की बात कही गई।

छठा, संयुक्त राष्ट्र सुधार की मांगः भारत और ब्राजील ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और विकासशील देशों के अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता दोहराई। यह संदेश था कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी संस्थाओं में अब नई वैश्विक वास्तविकताओं के अनुसार बदलाव होना चाहिए। सातवां, ब्रिक्स के भीतर मतभेद भी सामने आएः हालांकि बैठक में एकजुटता दिखाई गई, लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि सभी सदस्य अमेरिका-विरोधी नीति पर पूरी तरह एकमत नहीं हैं। भारत और ब्राजील जैसे देश पश्चिम के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहते हैं, जबकि रूस और ईरान अधिक आक्रामक रुख चाहते हैं। इससे यह संकेत मिला कि ब्रिक्स अभी पूर्ण राजनीतिक गठबंधन नहीं, बल्कि साझा हितों वाला मंच है। समग्र रूप से कहा जाए तो, इस बैठक का वैश्विक संदेश यह था कि उभरती शक्तियाँ अब विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था में अधिक स्वतंत्र, संतुलित और पश्चिम से अलग भूमिका चाहती हैं। ब्रिक्स ने यह दिखाने की कोशिश की कि 'ग्लोबल साउथ' अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन का सक्रिय खिलाड़ी बनना चाहता है। चूंकि ब्रिक्स अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का समूह नहीं रहा, इसकी भूमिका आज कहीं ज्यादा व्यापक हो चुकी है। वास्तव में यह वैश्विक संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण हो सकता है। भारत का रोल इसमें सबसे अहम हो जाता है। उसने पश्चिमी देशों के साथ रिश्ते बनाए हुए हैं, जबकि रूस, ईरान और चीन के साथ भी बैलेंस रखा है। उसने हमेशा संवाद से समाधान की बात की है। यह रवैया उसे भरोसेमंद साथी बनाता है।

दवा नहीं, जहर का कारोबारः भारत की साख पर संकट

ललित गर्ग

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निमार्ता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है।

पिछले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवाड़ है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-न-कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को ह्यफार्मेसी ऑफ द वर्ल्डह्ण कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापन सामने आएगा, तो यह सारे सकारात्मक प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार दवा नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाए। केवल औपचारिक निरीक्षण और समय-समय पर जारी होने वाले ड्रग अलर्ट पर्याप्त नहीं हैं। दवा निर्माण इकाइयों की नियमित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जिन कंपनियों की दवाएं बार-बार मानकों पर फेल होती हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। दवा माफिया और नकली दवा बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। यह भी जरूरी है कि दोषियों को केवल आर्थिक जुमार्ने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें कठोर कारावास की सजा दी जाए ताकि दूसरों के लिए भी कड़ा संदेश जाए। यह भी एक गंभीर चिंता का विषय है कि कई बार राज्य सरकारें और नियामक एजेंसियां प्रभावशाली दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती हैं। धनबल और प्रभाव के कारण जांच प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं और अंततः आम जनता ही इसकी कीमत चुकाती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक शासन और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों के लिए खतरनाक है।

रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। दवा उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह विश्वास का उद्योग है। यहां नैतिकता का महत्व सबसे अधिक होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आज लालच और मुनाफाखोरी ने इस क्षेत्र में भी गहरी जड़ें जमा ली हैं। नकली इंजेक्शन, मिलावटी दवाएं, एक्सपायरी दवाओं की री-पैकेजिंग और घटिया कच्चे माल के उपयोग जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि समाज में संवेदनाओं का स्रोत सूखता जा रहा है। इंसान केवल अपने लाभ के लिए दूसरों की जिंदगी से खेलने को तैयार हो गया है। यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का भी संकेत है। आवश्यकता इस बात की भी है कि आम जनता को दवाओं के प्रति जागरूक बनाया जाए। दवा खरीदते समय बिल लेना, पैकेजिंग और निर्माण तिथि की जांच करना, संदिग्ध दवाओं की शिकायत संबंधित विभागों को करना और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन न करना, ये सब छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। मेडिकल स्टोरों की भी नियमित निगरानी होनी चाहिए ताकि नकली या घटिया दवाओं की बिक्री रोकी जा सके।

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निमार्ता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर देश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, दूसरी ओर ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाएं हमारी नैतिक और प्रशासनिक कमजोरी को उजागर कर रही हैं। यदि हम सचमुच विकसित और विश्वसनीय भारत बनाना चाहते हैं, तो हमें केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि गुणवत्ता, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जीवनरक्षक दवाओं में मिलावट केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा पर लगा कलंक है। यह समय आत्ममंथन का है। सरकार, दवा उद्योग, चिकित्सा जगत और समाज-सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि दवा जीवन बचाने का माध्यम बने, मौत का व्यापार नहीं। तभी विकसित भारत का सपना वास्तविक अर्थों में सार्थक हो सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

मोरक्को में लापता 19 वर्षीय अमेरिकी सैनिक मारिया सिमोन का शव 12 दिन बाद बरामद

रबात, एजेंसी। मोरक्को में सैन्य अभ्यास के दौरान लापता हुए दूसरे अमेरिकी सैनिक का शव मिला है। अमेरिकी सेना ने बुधवार को यह जानकारी दी। 19 वर्षीय मारिया सिमोने कोलिंगटन फ्लोरिडा के टावेरेस की निवासी थीं। वह मोरक्को में एक मनोरंजक पदयात्रा के दौरान एक चट्टान से गिर गई थीं। कोलिंगटन एयर एंड मिसाइल डिफेंस क्रू मेंबर के रूप में कार्यरत थीं। वह चार्ली बैटरी, 5वीं बटालियन, चौथी एयर डिफेंस आर्टिलरी रेजिमेंट में तैनात थीं। इससे पहले, पिछले सप्ताह पहले सैनिक, केंड्रिक लैमोंट की का शव भी बरामद किया गया था। दोनों सैनिक 2 मई को 'अफ्रीकन लायन' सैन्य अभ्यास के बाद लापता हुए थे। इस घटना से जुड़े विवरणों की अभी भी जांच की जा रही है।

फ्लोरिडा विमान दुर्घटना : पांच घंटे तक फंसे रहे 11 यात्री, अमेरिकी सेना ने बचाया

फ्लोरिडा , एजेंसी। अमेरिका में फ्लोरिडा तट पर हुई विमान दुर्घटना के बाद 11 लोग पांच घंटे तक जीवन रक्षक बेड़े पर फंसे रहे। अमेरिकी सेना ने कड़ी मशक्कत के बाद इन्हें सुरक्षित बचाया। मंगलवार को इंजन फेल होने के बाद पायलट ने विमान को वेरो बीच से करीब 80 किलोमीटर दूर पानी में उतारा था। बहामास से फ्रीपोर्ट जा रहे विमान की आपात लैंडिंग के बाद पायलट ने 10 यात्रियों सहित खुद को जीवन रक्षक बेड़े पर पहुंचाया। तीन लोगों को मामूली चोटें थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस आपात परिस्थिति में पांच घंटे तक सभी लोग तूफान के बीच मदद का इंतजार करते रहे। विमान में लगे आपातकालीन संकेतक की मदद से तटरक्षक बल को अलर्ट मिला, जिसके बाद वायु सेना रिजर्व के बचाव दल ने सभी लोगों का रेस्क्यू किया। वायुसेना अधिकारी मेजर एलिजाबेथ पिओवाटी ने पायलट के प्रयासों को चमत्कारी बताया। पायलट समेत सभी 11 लोगों को मेलबर्न ऑरलैंडो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर है। संघीय विमानन प्रशासन दुर्घटना की जांच कर रहा है।

ब्राजील में चुनाव से पांच महीने पहले फंसे सीनेटर बोल्सोनारो, 12 मिलियन अमेरिकी डॉलर मांगने के आरोप

ब्रासीलिया , एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील में इसी साल अक्तूबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराए जाने हैं। चुनाव से पांच महीने सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो पर एक बैंकर से लाखों रुपये मांगने के आरोप लगे हैं।बुधवार को जेल में बंद बैंकर डैनियल वोरकारो से लाखों रुपये मांगने के आरोप सामने आने के बाद उन्होंने इसे सिरे से खारिज कर दिया। माना जा रहा है कि ये गंभीर आरोप राष्ट्रपति चुनाव में उनकी उम्मीदवारी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इंटरसेप्ट ब्राजील ने वोरकारो के वॉइस मैसेज के हवाले से जारी ब्योरे प्रकाशित किए हैं। इनमें बोल्सोनारो ने कथित तौर पर अपने पिता जायर बोल्सोनारो के जीवन पर फिल्म 'द डार्क हॉर्स' की एवज में 61 मिलियन रियाल (करीब 12 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मांगते सुने गए हैं। वोरकारो ब्राजील में भ्रष्टाचार और घोटाले के एक बड़े केंद्र के रूप में बदनाम हैं। फ्लेवियो बोल्सोनारो ने किसी अवैध लाभ की पेशकश या पैसा लेने से इन्कार किया है। राजनीतिक सलाहकार थॉमस ट्रॉमन के मुताबिक यह घोटाला बोल्सोनारो के अभियान को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। बता दें कि वोरकारो को मार्च में गिरफ्तार किया गया था। नवंबर में देश के केंद्रीय बैंक के सख्त आदेश के बाद बैंको मास्टर बंद हो गया।

नोबेल विजेता नर्गिस मोहम्मदी को लंबे इलाज की जरूरत, स्वास्थ्य गंभीर

तेहरान, एजेंसी। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नर्गिस मोहम्मदी को महीनों तक चलने वाले लंबे इलाज की आवश्यकता है। यह जानकारी उनके फाउंडेशन ने बुधवार को दी। ईरान की जेल में बेहोश होने के एक सप्ताह से अधिक समय बाद डॉक्टरों ने उनकी जांच की। एंजियोग्राफी से पता चला कि उनकी दो मुख्य धमनियों में महत्वपूर्ण रुकावट है। 2024 के बाद से उनकी बीमारी बढ़ी है और सेहत काफी बिगड़ गई है। 1 मई को उन्हें जेल से अस्पताल ले जाया गया। लगभग 10 दिन बाद जमानत पर रिहा कर उन्हें तेहरान के अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बाहरी तनाव से मुक्त वातावरण में आठ महीने के इलाज की सिफारिश की है। उनका रक्तचाप लगातार घटता-बढ़ता रहता है। ऐसे में फाउंडेशन बिना शर्त तत्काल रिहाई की मांग की है। उन्हें 2023 में नोबेल पुरस्कार मिला था।

35 साल की महिला ने पति को जहर देकर मारा: बच्चों के लिए किताब भी लिखी, अब अदालत से आजीवन कारावास

पार्क सिटी (यूटा), एजेंसी। अमेरिका के यूटा राज्य की एक महिला को उसके पति की हत्या के मामले में बिना पैरोल उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। बुधवार को एक जज ने यह फैसला सुनाया। महिला ने अपने पति की मौत के बाद बच्चों के लिए एक ऐसी किताब लिखी थी, जिसमें उनके पिता को खोने के दुख के बारे में बताया गया था।

कोरी रिचिन्स नाम की इस महिला को मार्च महीने में हत्या का दोषी पाया गया था। उस पर आरोप था कि उसने साल 2022 में पार्क सिटी के पास घर में अपने पति एरिक रिचिन्स के कॉकटेल ड्रिंक में फेंटेनाइल (बहुत तेज असर करने वाली दर्द कम करने की दवा) को मात्रा से पांच गुना ज्यादा मिलाकर उसे मार दिया। जूरी ने कोरी रिचिन्स को चार अन्य गंभीर अपराधों में भी दोषी माना। इनमें बीमा धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज बनाना और हत्या की कोशिश जैसे मामले शामिल हैं। आरोप था कि उसने वैलेंटाइन डे से कुछ हफ्ते पहले भी अपने पति को फेंटेनाइल मिला सैंडविच देकर जहर देने की कोशिश की थी। बचाव पक्ष ने कहा है कि वह इस फैसले और सजा के खिलाफ अपील करेगा। जज रिचर्ड मराजी ने सजा सुनाते समय कहा, जो व्यक्ति ऐसे अपराध करता है, वह कभी भी आजाद रहने के लायक नहीं है। जिस दिन सजा सुनाई गई, उसी दिन एरिक रिचिन्स का 44वां जन्मदिन था। सरकारी वकीलों ने कहा कि 35 साल की कोरी रिचिन्स रियल एस्टेट का काम करती थी और घर

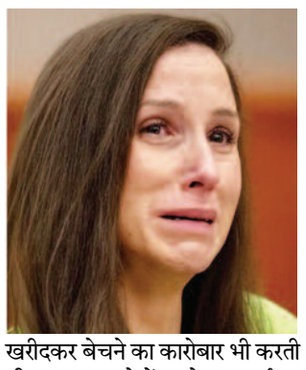

खरीदकर बेचने का कारोबार भी करती थी। उस पर करोड़ों रुपये का कर्ज था और वह किसी दूसरे आदमी के साथ नया जीवन शुरू करने की योजना बना रही थी। जांच में यह भी सामने आया कि उसने अपने पति की जानकारी के बिना उनके नाम पर कई जीवन बीमा पॉलिसी खुलवाई थीं। उसे यह गलतफहमी थी कि पति की मौत के बाद उसे 40 लाख डॉलर से ज्यादा की संपत्ति मिल जाएगी।

कोरी रिचिन्स जेल की हरे रंग की वर्दी पहनकर अदालत में खड़ी हुई और अपने बेटों से (जो अदालत में मौजूद नहीं थे) कहा- कृपया मुझसे उम्मीद मत छोड़ना। कोरी रिचिन्स को कई दशक से लेकर पूरी जिंदगी तक जेल में रहना पड़ सकता है। वह लगातार खुद को निर्दोष बताती रही है। बुधवार को भी उसने कहा कि अदालत का फैसला 'पूरी तरह झूठ' है। जूरी ने उसे चार अन्य अपराधों में भी दोषी पाया। इनमें वैलेंटाइन डे के समय अपने पति को फेंटेनाइल मिला सैंडविच देकर मारने की कोशिश का मामला भी शामिल था। एरिक रिचिन्स के पिता यूजीन रिचिन्स ने जज से अपील की कि कोरी को बिना पैरोल उम्रकैद की सजा दी जाए, ताकि उनके पोतों की सुरक्षा हो सके। जब एरिक की मौत हुई थी, तब उनके तीनों बेटे 9, 7 और 5 साल के थे। उन्होंने अदालत में कहा, यह सजा जरूरी है ताकि एरिक के तीनों बेटे कभी इस डर में न जिएं कि उनके पिता की जान लेने वाली महिला फिर उन्हें नुकसान पहुंचा सकती है। यह मामला साल 2023 में काफी चर्चा में आया था। कोरी रिचिन्स को उस समय गिरफ्तार किया गया था, जब वह अपने बच्चों के लिए लिखी उस किताब का प्रचार कर रही थी, जिसमें एक लड़के के अपने पिता की मौत के दुख से उबरने की कहानी थी। बेटों ने कहा- हमें अपनी मां से डर लगता है। कोरी की भाभी केटी रिचिन्स बेंसन ने कहा कि ये बच्चे किसी किताब की कहानी का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उनकी जिंदगी कोरी की वजह से ऐसे ही दर्द और दुख में बदल गई है। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अदालत में बच्चों के लिखे पत्र पढ़कर सुनाए। तीनों बेटों ने कहा कि अगर उनकी मां जेल से बाहर आई तो वे खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे।

बच्चों को दिखाती थी डरावने वीडियो : जब बच्चे अधपका खाना खाने से मना करते थे, तब उनकी मां उन्हें डराने के लिए युद्ध से प्रभावित इलाकों में भूखे बच्चों के वीडियो दिखाती थी। अब 11 साल के हो चुके बीच वाले बेटे ने कहा, आपने सिर्फ लालच की वजह से मेरे पापा को हमसे छीन लिया और आपको सिर्फ अपने बारे में और अपने बेकार बॉयफ्रेंड की चिंता थी। उसने कहा कि उसे अपने छोटे भाई का माता-पिता बनकर ध्यान रखना पड़ता था, क्योंकि उसकी मां उनकी देखभाल नहीं करती थी। उसने यह भी कहा कि उसकी मां उसे उसके पिता की तरफ वाले बिस्तर पर बैठने से डराती थी और कहती थी कि वह भी मर सकता है। अब 13 साल के बड़े बेटे ने कहा कि उसे भी अपने भाइयों का ध्यान रखना पड़ता था, लेकिन उसका छोटा भाई 'ज्यादातर मेरा ख्याल रखता था क्योंकि मैं कमरे में बंद रहता था।' उसने कहा कि उसकी मां शराब पीकर उसे लगभग हर दिन कमरे में बंद कर देती थी। अपने बेटों की बातें सुनने के बाद कोरी रिचिन्स ने अदालत में कहा- मैं हमेशा तुम्हारी सुरक्षा को सबसे ज्यादा अहमियत दूंगी।

किन आरोपों में कितनी सजा हो सकती है : सबसे गंभीर आरोप हत्या की कोशिश का है। इसमें 25 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती थी या बिना पैरोल पूरी जिंदगी जेल में रहना पड़ सकता था। सरकारी वकीलों ने मौत की सजा की मांग नहीं की थी। हत्या की कोशिश के मामले में सजा इस बात पर निर्भर करेगी कि पीड़ित को कितनी गंभीर चोट लगी। सरकारी वकीलों ने बताया कि पत्नी की ओर से दिया गया सैंडविच खाने के बाद एरिक रिचिन्स के शरीर पर लाल चकत्ते पड़ गए थे। एरिक ने अपने बेटे का एपिपेन इंजेक्शन लगाया, बेनाड्रिल की पूरी बोतल पी और फिर बेहोश हो गए।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना और लड़ाकों के बीच मुठभेड़, मेजर समेत पांच सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूचिस्तान में पाकिस्तान सेना ने एक बड़े संयुक्त अभियान में सात लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है। हालांकि इस कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के एक मेजर समेत पांच सैनिकों की भी मौत हो गई। यह जानकारी पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बुधवार देर रात जारी बयान में दी।

आईएसपीआर ने क्या जानकारी दी : आईएसपीआर के अनुसार, बलूचिस्तान के बरखान जिले के मार्कहम के नोशाम इलाके में पाकिस्तान सेना और बलूचिस्तान फ्रंटियर कॉर्प्स ने संयुक्त क्लीन-अप ऑपरेशन चलाया। खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू किए गए इस अभियान के दौरान सुरक्षा बलों और लड़ाकों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई।

सेना ने कहा- सात लड़ाके मारे गए : सेना के बयान में कहा गया कि अभियान के दौरान सात लड़ाके मारे गए। हालांकि इस दौरान एक फील्ड ऑफिसर यानी मेजर समेत पांच सैनिकों की भी जान चली गई। मारे गए सैनिकों की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है। कार्रवाई के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान भी चलाया।

इस दौरान लड़ाकों के कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद किए जाने का दावा किया गया है। सेना ने कहा कि इलाके में बाकी लड़ाकों की तलाश के लिए अभियान अभी जारी है। पाकिस्तानी सैनिकों का बलूचिस्तान में बड़ा अभियान बलूचिस्तान में इस साल सुरक्षा बलों ने कई बड़े अभियान चलाए हैं। मार्च में हरनाई और बसीमा जिलों में हुए ऑपरेशन में 15 लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया गया था, जबकि फरवरी में झोब जिले में 10 लड़ाके मारे गए थे। दरअसल, बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसा और उग्रवाद से प्रभावित रहा है। यहां सक्रिय सशस्त्र समूह अक्सर सुरक्षा बलों और सरकारी ढांचे को निशाना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान सरकार कई हमलों के लिए बलूच लिबरेशन आर्मी और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराती रही है।

जर्मनी में डॉक्टर ने 12 साल तक 100 से ज्यादा बच्चों का किया यौन शोषण और रेप

बर्लिन, एजेंसी। हाल ही में जर्मनी से एक बेहद शर्मनाक और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां बर्लिन के पास ब्रैंडनबर्ग में एक पीडियाट्रिशियन पर 100 से ज्यादा बच्चों के साथ दरिंदगी के आरोप लगे हैं। जानकारी के मुताबिक शख्स ने 12 सालों तक कई बच्चों का बलात्कार और यौन शोषण किया। उस पर ऐसे कम से कम 130 मामले दर्ज किए गए हैं।

बुधवार को शहर की एक अदालत में सुनवाई के दौरान डॉक्टर की इस हैवानियत का खुलासा हुआ। 46 वर्षीय इस डॉक्टर पर आरोप है कि उसने अपनी ड्यूटी के दौरान ही इन घिनौनी वारदातों को अंजाम दिया। जानकारी के मुताबिक आरोपी ने ब्रैंडनबर्ग के क्लीनिक में काम करते हुए मासूम बच्चों को अपना निशाना बनाया। यह सिलसिला दिसंबर 2013 में ही शुरू हो गया था और पिछले साल 5 नवंबर तक वह बच्चों को अपना शिकार बनाता रहा।

जर्मन अखबार 'बिल्ड' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस डॉक्टर के कुकर्मों का पर्दाफाश तब हुआ जब नवंबर 2025 में अस्पताल में एक इलाजरत एक बच्ची की मां को डॉक्टर पर शक हुआ। महिला ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने नवंबर 2025 में उसे गिरफ्तार कर लिया था। जांच के दौरान उसके पास से कई चौंकाने वाली चीजें मिलीं। उसके घर से कई डेटा स्टोरेज डिवाइस भी बरामद हुए, जिससे महिला के आरोप पुख्ता हो गए। आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में है और मामले की सुनवाई चल रही है।

इससे पहले फ्रांस से भी एक ऐसा ही मामला सामने आया था। यहां सर्जन जोएल ले स्काउर्नेक एक सर्जन ने भी कई सालों तक अपने मरीजों को ही अपनी हवस का शिकार बनाया। मई 2025 में उसे 20 साल की सजा सुनाई गई थी। उस डॉक्टर पर 1989 से 2014 के बीच 298 मरीजों का यौन शोषण करने के आरोप हैं। इनमें से ज्यादातर मरीजों की उम्र 15 साल से कम थी।

फ्रांस के शहर बोर्डो में खड़े क्रूज शिप 'एंबिशन' पर नोरोवायरस संक्रमण की पुष्टि, यात्रियों को उतरने की अनुमति

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र बोर्डो में खड़े क्रूज शिप एंबिशन पर यात्री नोरोवायरस (वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस) की चपेट में आ गए हैं। इस बात की पुष्टि गिरोंद प्रीफेक्चर ने बुधवार को स्थानीय समयानुसार जारी बयान में की। इसके मुताबिक फिलहाल वायरस के किसी भी गंभीर मामले की सूचना नहीं है। जिन लोगों में संक्रमण के लक्षण नहीं हैं, उन्हें जहाज से उतरने की अनुमति दी गई है। ब्रिटिश कंपनी एंबेसडर क्रूज लाइन द्वारा संचालित 'एंबिशन' मंगलवार शाम बोर्डो पहुंचा था। जहाज पर लगभग 90 वर्षीय एक यात्री की मौत के बाद करीब 1,700 यात्रियों और क्रू सदस्यों को जहाज से उतरने से रोक दिया गया था। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, 90 वर्षीय एक यात्री की मौत का संबंध गैस्ट्रोएंटेराइटिस जैसे संक्रमण से हो सकता है। जहाज पर

करीब 80 लोग पेट संबंधी बीमारीकी चपेट में हैं। बाद में बोर्डो यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में किए गए महामारी विज्ञान और जैविक परीक्षणों में इस संक्रमण के फैलने की पुष्टि हुई। बयान में कहा गया है कि संक्रमित लोगों को जहाज पर अलग-थलग रखा जाएगा। क्वारंटीन और स्वच्छता संबंधी उपाय जारी रहेंगे। आगे यात्रा जारी रखनी है या नहीं, इस पर अंतिम फैसला मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद क्रूज ऑपरेटर करेगा। अत्यधिक संक्रामक नोरोवायरस तीव्र गैस्ट्रोएंटेराइटिस का एक सामान्य कारण है और क्रूज शिप जैसे बंद स्थानों में तेजी से फैलने के लिए जाना जाता है। इस बीच हंतावायरस को लेकर भी चिंता बनी हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने मंगलवार को कहा था कि संक्रमणग्रस्त क्रूज शिप एमवी होंडियस से यात्रियों को निकाले जाने के बाद आने वाले हफ्तों में हंतावायरस के और मामले सामने आ सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम फिलहाल कम है।

टेड्रोस ने मैड्रिड स्थित मोन्क्लोआ पैलेस में स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा, 'वायरस की अवधि को देखते हुए आने वाले हफ्तों में और मामले सामने आना संभव है।' अब तक हंतावायरस से जुड़े 11 मामले सामने आए हैं, जिनमें तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इन 11 मामलों में से नौ की पुष्टि एंडीज वायरस संक्रमण के रूप में हुई है, जबकि बाकी दो संभावित मामले माने जा रहे हैं।

मैक्रों थप्पड़ विवाद: पत्रकार का दावा- ईरानी अभिनेत्री से चैट देख भड़कीं थीं फ्रांस के राष्ट्रपति की पत्नी

पेरिस, एजेंसी। 2025 में वियतनाम में विमान से उतरते समय ब्रिगिट मैक्रों ने अपने पति इमैनुएल मैक्रों को धक्का दिया था। एक नई किताब के अनुसार, यह घटना इमैनुएल द्वारा एक ईरानी अभिनेत्री को भेजे गए संदेशों के कारण हुई थी। इस घटना ने 2025 में काफी सुर्खियां बटोरी थीं। दंपती ने इसे मजाक बताकर खारिज कर दिया था। ब्रिगिट मैक्रों ने पति इमैनुएल को क्यों मारा धक्का? नई किताब में खुलासा फ्लोरियन टार्डिफ की नई किताब 'अन कपल (प्रेस्क) पारफे' में यह दावा किया गया है। टार्डिफ ने बताया कि ब्रिगिट, इमैनुएल के निर्वासित ईरानी-फ्रांसीसी अभिनेत्री गोल्शिफतेह फराहानी को भेजे गए संदेशों से नाराज थीं। पेरिस मैच पत्रिका के राजनीतिक संवाददाता टार्डिफ का आरोप है कि 73 वर्षीय ब्रिगिट को डर था कि उनके 48 वर्षीय पति अभिनेत्री के लिए उन्हें छोड़ सकते हैं। संबंध केवल भावनात्मक? 'आप बहुत सुंदर लगती हैं' जैसी टिप्पणियां फराहानी ने पत्रकारों के सवालों पर अफेयर की अफवाहों से इन्कार किया है। उन्होंने कहा कि उनका संबंध केवल भावनात्मक था। टार्डिफ ने आरटीएल रेडियो को बताया कि संदेशों की सामग्री 'काफी आगे' बढ़ गई थी। इसमें 'आप बहुत सुंदर लगती हैं' जैसी टिप्पणियां शामिल थीं। दंपती के एक करीबी व्यक्ति ने टार्डिफ को यह जानकारी दी। फ्रांस के राष्ट्रपति ब्रिगिट की नाराजगी ब्रिगिट ने एक ऐसा संदेश पढ़ा था जो उन्हें कभी नहीं पढ़ना चाहिए था। इसके बाद उनके बीच 'सामान्य से अधिक लंबा और कठोर विवाद' हुआ। पेरिस मैच में प्रकाशित एक अंश के अनुसार, ब्रिगिट को संदेश की सामग्री से उतना दुख नहीं हुआ जितना उसके निहितार्थ से हुआ। उन्हें लगा कि यह एक संभावना की ओर इशारा कर रहा है। प्रथम महिला के एक मित्र ने लेखक को बताया कि उन्हें लगा जैसे उन्हें मिटाया जा रहा है।

दावों का खंडन : हालांकि, ले पेरिसियन के अनुसार, ब्रिगिट के एक करीबी सूत्र ने मार्च 2026 में टार्डिफ द्वारा साक्षात्कार किए जाने पर इन दावों का 'स्पष्ट रूप से खंडन' किया। सूत्र ने जोर देकर कहा कि वह 'कभी अपने पति का फोन नहीं देखती हैं'। टार्डिफ ने जोर देकर कहा है कि 'किताब में सब कुछ तथ्य, तथ्य और केवल तथ्य हैं'। ब्रिगिट ने खुद टार्डिफ को बताया कि उड़ान के दौरान बहुत अशांति थी। उन्होंने कहा कि वह बहुत थकी हुई थीं और सो नहीं पाई थीं।

मोदी जैसा कोई नहीं: पीएम के मुरीद हुए नॉर्वे के पूर्व पर्यावरण मंत्री सोल्हेम, बताया हरित विकास का गारंटर

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे के पूर्व मंत्री और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख एरिक सोल्हेम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उनके नेतृत्व और पर्यावरण संबंधी दृष्टिकोण के लिए जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश में कोई भी नेता अपने देश में मोदी जितना लोकप्रिय नहीं है। पश्चिमी नेताओं को उनके हरित संदेश से बहुत कुछ सीखने को है। सोल्हेम का यह बयान पीएम मोदी के 18-19 मई को नॉर्वे के दौरे से पहले आया है। नॉर्वे के एक अखबार में छपे लेख में सोल्हेम ने पीएम मोदी की लोकप्रियता, आर्थिक सुधारों और हरित विकास पर उनके जोर का जिक्र करते हुए, उन्हें एक ऐसा परिवर्तनकारी नेता बताया जो वैश्विक मंच पर भारत के उदय को गति दे रहे हैं। उन्होंने लिखा कि पश्चिमी नेता मोदी के हरित संदेश से बहुत कुछ सीख सकते हैं। नॉर्डिक प्रधानमंत्रियों को भारतीय नेता के साथ अपनी बैठक के दौरान उन्हें ध्यान से सुनना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख ने विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा और सतत विकास पर प्रधानमंत्री मोदी के जोर की सराहना की और उन्हें हरित विकास का गारंटर बताया।

मोदी दुनियाभर में सबसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक नेताओं में से एक : पीएम मोदी की राजनीतिक हैसियत की तारीफ करते हुए सोल्हेम ने लिखा, भारतीय प्रधानमंत्री की अप्रूवल रेटिंग लगभग 70 प्रतिशत है और वह दुनियाभर में सबसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक नेताओं में से एक बने हुए हैं। लेख में पीएम मोदी की गुजरात के वडनगर से हुई शुरुआत पर चर्चा की गई है। इसमें कहा गया है कि एक साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से निकलकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करने तक का उनका सफर उन्हें असाधारण बनाता है।

भारत 2050 तक दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है : सोल्हेम ने लिखा, भारतीय अर्थव्यवस्था अब सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है जो चीन से अधिक और किसी भी अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्था से कहीं ऊपर है। यदि मौजूदा विकास के रुझान जारी रहते हैं तो 2050 तक भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है।

भारतीय राजनीति में हिंदू राष्ट्रवाद निर्णायक शक्ति : पूर्व मंत्री ने भारत के राजनीतिक और वैचारिक विकास पर कहा कि हिंदू राष्ट्रवाद भारतीय राजनीति में एक निर्णायक शक्ति बन गया है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने जाति और वर्ग की सीमाओं से परे जाकर समर्थन जुटाया है। पार्टी ने भारत में कुछ ऐसा हासिल किया है जो पूरी तरह से अनोखा और नया है। भाजपा को सभी का समान समर्थन हासिल है। भारत से घनिष्ठ संपर्कों से नॉर्वे को बहुत कुछ हासिल होगा : सोल्हेम के अनुसार, मोदी ने आर्थिक विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक मेल किया है। नॉर्वे और भारत के बीच मजबूत संबंधों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के साथ घनिष्ठ जुड़ाव दोनों पक्षों के लिए अनगिनत जीत के अवसर पैदा करेगा।

ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति को बताया महान नेता; जिनपिंग बोले- हम साझेदार, प्रतिद्वंद्वी नहीं

बीजिंग, एजेंसी। दुनिया की दो महाशक्तियों के राष्ट्राध्यक्ष, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, ने बीजिंग में मुलाकात की है। बता दें कि, अमेरिकी राष्ट्रपति फिलहाल तीन दिन के चीन यात्रा पर हैं और इस दौरान दोनों नेताओं के बीच कई अहम वैश्विक मुद्दे पर बात होगी।

जिनपिंग से बोले ट्रंप- आप एक महान नेता हैं : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा, 'चीन और अमेरिका के बीच संबंध पहले से कहीं बेहतर होने वाले हैं... हमारा भविष्य उज्ज्वल होगा। चीन के प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान है, आपने जो काम किया है, उसकी मैं सराहना करता हूं। आप एक महान नेता हैं। मैं यह बात हर किसी से कहता हूं। कभी-कभी लोगों को मेरा यह कहना पसंद नहीं आता, लेकिन मैं फिर भी कहता हूं। हमारे सभी महान प्रतिनिधिमंडलों की ओर से, जिनमें दुनिया के सबसे बड़े, सबसे प्रतिष्ठित और शायद सर्वश्रेष्ठ व्यवसायी शामिल हैं... मुझे कंपनी में दूसरे या तीसरे दर्जे के लोगों की जरूरत नहीं थी। मुझे केवल शीर्ष लोगों की जरूरत थी। वे आज यहां आपको और चीन को सम्मान देने आए हैं। वे व्यापार और व्यवसाय करने के लिए उत्सुक हैं, और हमारी ओर से भी यह पूरी तरह से पारस्परिक होगा। मैं हमारी चर्चा के लिए बहुत उत्सुक हूं। यह एक बड़ी चर्चा है। जो लोग कहते हैं कि यह शायद अब तक का सबसे बड़ा शिखर सम्मेलन है, उन्हें शायद ही कभी ऐसा कुछ याद हो'।

हम एक साथ एक शानदार भविष्य की ओर अग्रसर- ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा कहा, 'हम एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं। वास्तव में, हमारे दोनों देशों के बीच किसी भी राष्ट्रपति और राष्ट्रपति के बीच का यह सबसे लंबा संबंध है। और यह मेरे लिए सम्मान की बात है। हमारा रिश्ता शानदार रहा है। हम एक-दूसरे के साथ

अच्छे से रहे हैं। जब भी कोई कठिनाई आई, हमने उसका समाधान निकाला। मैं आपको फोन करता था और आप मुझे। जब भी कोई समस्या हुई, हमने उसका समाधान बहुत जल्दी निकाल लिया और हम एक साथ एक शानदार भविष्य की ओर अग्रसर हैं'।

हमें साझेदार होना चाहिए, प्रतिद्वंद्वी नहीं- जिनपिंग : चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस दौरान कहा, 'क्या हम मिलकर वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और दुनिया को अधिक स्थिरता प्रदान कर सकते हैं? क्या हम अपने दोनों देशों के लोगों की भलाई और मानवता के भविष्य के हित में, अपने द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं? ये प्रश्न इतिहास, दुनिया और जनता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ये हमारे समय के प्रश्न हैं जिनका उत्तर हमें और आपको प्रमुख देशों के नेताओं के रूप में देना होगा... मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हमारे दोनों देशों के बीच मतभेदों की तुलना में अधिक साझा हित हैं। एक में सफलता दूसरे के लिए अवसर है। और एक स्थिर द्विपक्षीय संबंध दुनिया के लिए अच्छा है। चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों को सहयोग से लाभ होगा और टकराव से हानि होगी। हमें साझेदार होना चाहिए, प्रतिद्वंद्वी नहीं। हमें एक-दूसरे की सफलता और समृद्धि में सहयोग करना चाहिए और नए युग में प्रमुख देशों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित करने का सही मार्ग खोजना चाहिए।'

जिनपिंग बोले- मैं प्रमुख मुद्दों पर चर्चा के लिए उत्सुक हूं : चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा, 'राष्ट्रपति, मैं हमारे दोनों देशों और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण प्रमुख मुद्दों पर आपकी चर्चाओं के लिए उत्सुक हूं, और चीन-अमेरिका संबंधों के विशाल जहाज को सही दिशा देने और उसे आगे बढ़ाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हूं।

टमाटर की उन्नत कृषि कार्यमाला

टमाटर अत्यंत ही लोकप्रिय तथा पोषक तत्वों से युक्त फलदार सब्जी है। जिसका उपयोग साल भर किया जाता है। सब्जी के अलावा उससे सूप, चटनी, सलाद, आदि के रूप में भी उपयोग किया जाता है। विटामिन व अन्य खाद्य पदार्थ उपयुक्त मात्रा में पाये जाते हैं।

⊙**भूमि**- टमाटर की खेती कई किस्मों की मिट्टी में की जाती है लेकिन अच्छी जल निकासी चिकनी मृदा तथा दोमट मिट्टी सर्वोत्तम है।

⊙**खेत की तैयारी** :- प्रथम जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के बाद 2-3 बार कल्टीवेटर या हैरो चलाना चाहिए ताकि भूमि की निचली कठोर परत टूट जाए। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा चलाना चाहिए ताकि मिट्टी भुरभुरी हो जाए।

⊙**उन्नतशील किस्में** :- पूसा रूबी, पन्त टी-1 पंजाब छुआरा, अर्का विकास, पूसा अर्ली ड्वार्फ आदि।

⊙**बीज दर**:- देशी - 400-500 ग्राम/ हेक्टेयर

⊙संकर - 100 ग्राम / हेक्टेयर

⊙**पौध तैयार करना (नर्सरी)**:- वर्षा ऋतु में 10 सें.मी. ऊंची क्यारी तैयार कर उसमें बीज बोना चाहिए। बीज कतारों में बोना चाहिए।

⊙**बीजोपचार** :- बीज को बोने से पूर्व थायरम या बाविस्टिन से 2 ग्राम/ किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करना चाहिए।

⊙**बुआई का समय** :- खरीफ- जून-जुलाई, शीत -अक्टूबर- नवम्बर

⊙**रोपण** :- क्यारियों में जब पौधे 4 से 5 सप्ताह के हो जाएं या 7 से 10 सें.मी. के हो जाएं तब खेत में रोपित करना चाहिए। पौध रोपण के पश्चात् तुरन्त हल्की सिंचाई करनी चाहिए। एक स्थान पर एक ही पौधा लगाएं।

⊙**पौध अन्तरण**:- कतार से कतार की दूरी 75 सें.मी. एवं पौध से पौध की दूरी 60 सें.मी. रखना चाहिए।

⊙**उर्वरक की मात्रा** :- गोबर खाद 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर भूमि की तैयारी के समय मिलाना चाहिए। यूरिया 217 किलो प्रति हेक्टेयर, तीन भागों में देना चाहिए। पहला भाग, पौध रोपण के समय तथा दूसरा भाग एवं तीसरा भाग 30 दिन के अन्तर से देना चाहिए। एस.एस.पी. 500 किलो/ हेक्टेयर व पोटाश 100 किलो प्रति हेक्टेयर पौध रोपण के समय देना चाहिए।

⊙**सिंचाई** :- टमाटर में अधिक तथा कम सिंचाई दोनों ही हानिकारक हैं। शरद ऋतु में 10 से 12 दिन के अन्तर तथा गर्मी में 4-5 दिन के अन्तर में भूमि के अनुसार सिंचाई की जा सकती है।

⊙**निंदाई गुड़ाई** :- टमाटर की फसल को खरपतवारों से मुक्त रखने के लिए निरंतर निंदाई-गुड़ाई करते रहना आवश्यक है। गुड़ाई उथली करनी चाहिए जिससे जड़ों को नुकसान न पहुंचे। 30-40 दिन बाद पौधों पर मिट्टी चढ़ा देना चाहिए।

⊙**वृद्धि नियामकों का प्रयोग** :- वृद्धि नियामकों का प्रयोग फूलों को झड़ने से रोकने तथा बिना निषेचन के फलों को विकास के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ है। पी. सी.पी.ए. 50-100 पी. पी. एम. (50-100 मि.ग्रा./ लीटर पानी में घोलना है) के घोल का छिड़काव लाभकारी होता है।

⊙**सहारा देना** :- ऊंचाई व मध्यम ऊंचाई वाली किस्मों को पेड़ की टहनियां (बांस) की सहायता से सहारा देना चाहिए, ऐसा करने से पौधे की वृद्धि अच्छी होती है, वर्षा ऋतु में फल तथा पेड़ सड़ते नहीं हैं। फलों का आकार बढ़ जाता है तथा पैदावार भी अधिक होती है।

⊙**फलों की तुड़ाई** :- टमाटर के फसल की तुड़ाई कई अवस्थाओं में की जाती है-

⊙ **कच्चे या हरे फल** :- टमाटर को अधपके हरे से गुलाबी पड़ने पर तब तोड़ा जाता है जब इसे दूर स्थित बाजारों में विपणन हेतु भेजना होता है।

⊙ **गुलाबी या हल्के लाल फल**:- टमाटर को गुलाबी या हल्के लाल होने की अवस्था में तब तोड़ा जाता है जब इसे स्थानीय बाजारों में भेजना होता है।

⊙ **पके हुए टमाटर** :- फलों का अधिकतम भाग लाल होता है व नरम होता है ऐसे फल घरेलू उपयोग या कच्चे सलाद खाने के काम आते हैं।

⊙**अधिक पके टमाटर** :- बीज उत्पादन के लिए लाल फल आदर्श माने जाते हैं। फल परीरक्षण के लिए भी अधिक पके टमाटर अच्छे माने जाते हैं।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

⊙**भूरापन या ब्राउनिंग** - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

⊙**लक्षण** - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

⊙**उपचार** - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

⊙**व्हिपटेल** - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

⊙**लक्षण** - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

⊙**उपचार** - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज् सोडियम मालीब्डिेट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

⊙**बटनिंग** - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

⊙**लक्षण** - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

⊙**उपचार** - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

⊙**रेसीयनेस** - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

⊙**लक्षण** - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

⊙**उपचार** - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

⊙**अन्धता** - अन्धता गोभीवर्गीय फसलों से पौधे की वृद्धि के शुरूआत मुख्य कलिका में कीट के प्रकोप के कारण तथा वातावरण में तापमान में कमी होने वाला पाला पड़ने के कारण होता है।

⊙**लक्षण** - अन्धता में पौधे की मुख्य कलिका कीट के कारण क्षतिग्रस्त हो जाती है तथा इसके पत्ते बड़े, चमड़े जैसे मोटे और गहरे रंग के हो जाते हैं।

⊙**उपचार** - अन्धता की रोकथाम के लिए मुख्य कलिका को कीटों से क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिये कीटनाशक का प्रयोग करना चाहिए, उचित किस्म का चयन करना चाहिए।

एक नजर

पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन ने हेली सेवा का स्थल बदलने की उठाई मांग

नई टिहरी। टिहरी जिले में पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन ने कोटीकॉलोनी से हेरिटेज हेलिकॉप्टर सेवा का टेकऑफ और लैंडिंग स्थल बदलने की मांग उठाई है। एसोसिएशन ने डीएम को ज्ञापन देकर कहा कि टिहरी बांध झील किनारे कोटीकॉलोनी में हेली सेवा संचालन के कारण पैराग्लाइडिंग ऐडवेंचर व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। उन्होंने हेली सेवा को चंबा पुलिस लाइन से संचालित करने का सुझाव दिया है। एसोसिएशन के जितेंद्र सिंह ने बताया कि हेली सेवा सुबह 10 से 11 बजे और दोपहर एक बजे के आसपास संचालित होती है, जो पैराग्लाइडिंग के लिए भी सबसे उपयुक्त समय होता है। सुरक्षा कारणों से इस दौरान उड़ान रोकनी पड़ती है, जिससे स्थानीय युवाओं को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। युवाओं ने प्रशिक्षण लेकर लाखों रुपये के उपकरण खरीदकर यह व्यवसाय शुरू किया है। उन्होंने बताया कि प्रतापनगर में लंबी उड़ान के लिए साइट चिन्हित है, लेकिन हेली सेवा के कारण उसका उपयोग भी नहीं हो पा रहा है। इससे पर्यटकों को निराश होना पड़ता है और सोलो प्रशिक्षण भी प्रभावित हो रहा है। एसोसिएशन ने मांग की कि हेली सेवा का स्थल चंबा पुलिस लाइन स्थानांतरित किया जाए। डीएम ने मामले पर विचार का आश्वासन दिया है। ज्ञापन देने वालों में कपिल नौटियाल, वीरेंद्र रावत और रजत रावत शामिल थे।

श्रीकोट में शुरू हुआ आयुष्मान आरोग्य मंदिर का संचालन

नई टिहरी। लंबे इंतजार के बाद जौनपुर ब्लॉक के श्रीकोट में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का विधिवत संचालन शुरू हो गया। अब श्रीकोट क्षेत्र के लोगों को बुखार, सिरदर्द की दवाई लेने के लिए भी 30 किमी दूर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नैनबाग का रूख नहीं करना पड़ेगा। स्थानीय स्तर पर ही उपचार और दवाइयों की सुविधा मिलनी शुरू हो गई है। श्रीकोट में नवनिर्मित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया गया। श्रीकोट में वर्ष 2020 में सरकार ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर निर्माण के लिए 42.47 लाख रुपये की स्वीकृति दी थी लेकिन भूमि के अभाव में कई समय तक कार्य शुरू नहीं हो पाया था। श्रीकोट गांव निवासी रणवीर सिंह बिष्ट ने स्वास्थ्य विभाग को अपनी दो नाली भूमि दान देकर इस कार्य को गति दिया था। बीते दिन श्रीकोट के ग्राम प्रधान दीपेंद्र बिष्ट ने नवनिर्मित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का लोकार्पण किया। अस्पताल निर्माण के लिए भूमि दान देने वाले स्व. रणवीर सिंह बिष्ट को श्रद्धांजलि दी गई। कहा उनके प्रयासों से अस्पताल बनने के बाद श्रीकोट, कोट, भटवाड़ी, बिष्टौंसी, घियाकोटी, सेंदुल, झिंगेरी, घराणा, एंदी आदि गांव के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। इस मौके पर ग्राम प्रधान भटवाड़ी सुनील सेमवाल, बलवीर सिंह बिष्ट, बलवीर सिंह रावत, डॉ.अर्पित चौहान, चीफ फार्मासिस्ट फूलदास, एनएनएम उर्मिला पंवार, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी नीलम नौटियाल आदि मौजूद रहे।

शहीद गबर सिंह नेगी को श्रद्धांजलि दी

नई टिहरी। गबर सिंह नेगी स्मारक के सौंदर्यीकरण की दिशा में पहल शुरू हो गई है। लैंसडौन से पहुंचे द्वितीय गढ़वाल राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर बीके सिंह ने चंबा पहुंचकर शहीद गबर सिंह नेगी के स्मारक पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। स्मारक परिसर का निरीक्षण किया। कमांडिंग ऑफिसर सिंह ने बताया कि स्मारक के पीछे की दीवार पर शहीद गबर सिंह नेगी की शहादत से जुड़ी जानकारी दर्शाने वाली बड़ी टाइलें लगाई जाएंगी। इसके साथ ही विक्टोरिया क्रॉस का प्रतीक चिन्ह भी दीवार पर अंकित किया जाएगा। इस दौरान पूर्व सैनिकों ने उनके साथ संवाद कर स्मारक से जुड़ी जानकारियां साझा कीं। मौके पर पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष संजय रावत, पूर्व अध्यक्ष इंद्र सिंह नेगी, आनंद सिंह नेगी, कृष्णा ममगाई, शूरवीर सिंह भंडारी, कमल सिंह नेगी, ग्राम प्रधान मंजूड़ रानी नेगी, यशपाल सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

सड़क निर्माण में देरी पर भड़के ग्रामीण

चमोली। सड़क निर्माण कार्य शुरू करने में हो रही देरी पर ग्रामीणों ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर जल्द से जल्द सड़क पर कार्य आरंभ करने की मांग की है। पोखरी–नखोलियाना–चोपड़ा सड़क के शेष आधे हिस्से में लंबे समय से कार्य बंद पड़ा है। सड़क संघर्ष समिति की ओर से डीएम को भेजे ज्ञापन में कहा है कि ग्रामीणों ने लंबे संघर्ष के बाद 2014–15 में नौ किमी लंबी इस सड़क को स्वीकृत करवाया। चोपड़ा से खड़की तक साढ़े चार किमी काम करने के बाद निर्माण अधूरा छोड़ दिया गया। कुछ समय पहले इसके लिए विभाग ने टेंडर प्रक्रिया भी कर दी लेकिन निर्माण अधूरा पड़ा हुआ है। सड़क बनने से चोपड़ा, नालडंगा, तुमड़ी, गनियाला, किमगैर, खड़की, किमखोली, गोदी, चमेठी आदि गांवों के लोगों को लाभ मिलेगी। इस क्षेत्र के लोगों को आज भी पोखरी बाजार आने के लिए एक से दो किमी पैदल दूरी तय करनी पड़ती है। ज्ञापन भेजने वालों ने सड़क संघर्ष समिति के अध्यक्ष मयंक वैष्णव, सचिव मधुसूदन चौधरी, संतोष चौधरी, कुंवर सिंह चौधरी, राजेंद्र कोठियाल, रमेश चौधरी, ओम प्रकाश चौधरी सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

पेयजल टैंक निर्माण की गुणवत्ता पर उठाए सवाल, रुकवाया निर्माण

चमोली। नगर क्षेत्र के चिड़यिाढोल नामक तोक में निर्माणाधीन पेयजल टैंक का निर्माण व्यापार संघ ने रुकवा दिया। संघ के पदाधिकारियों ने टैंक निर्माण में अनियमितता का आरोप लगाया। उन्होंने जिलाधिकारी और जल संस्थान के अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन भेजकर टैंक निर्माण की जांच की मांग उठाई। नंदानगर की करीब 15 हजार आबादी के लिए बांजबगड़ से पानी की सप्लाई की जाती है।

डीएम के निर्देशों के बाद कोटद्वार स्पोर्ट्स स्टेडियम में निर्माण कार्यों ने पकड़ी रफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया के निर्देशों पर उपजिलाधिकारी कोटद्वार द्वारा शुक्रवार को शशिधर भट्ट स्पोर्ट्स स्टेडियम का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उपजिलाधिकारी ने निर्माण कार्य में रफ्तार लाने के निर्देश दिए।

पूर्व में जिलाधिकारी द्वारा स्टेडियम का औचक निरीक्षण किया गया था। उस दौरान ग्रामीण निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने, गुणवत्ता बनाए रखने तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही खिलाड़ियों को बेहतर खेल वातावरण एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए थे। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में किए गए निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी ने स्टेडियम परिसर में संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया गया कि जिलाधिकारी के निर्देशों के बाद निर्माण कार्यों में तेजी आई है तथा कार्य त्वरित गति से संचालित किए जा रहे हैं। अधिशासी अभियंता, ग्रामीण निर्माण विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में स्टेडियम में चल रहे सभी निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को मई माह के अंत तक पूर्ण कर लिया जाएगा। उपजिलाधिकारी ने निर्माण

कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्टेडियम परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। परिसर स्वच्छ एवं व्यवस्थित पाया गया तथा शौचालयों की स्थिति भी संतोषजनक मिली, जिस पर संतोष व्यक्त किया गया। अधिकारियों ने कहा कि खिलाड़ियों एवं खेल गतिविधियों से जुड़े युवाओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। वहीं, स्टेडियम स्थित रसोईघर के निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई। रसोई में स्वच्छता मानकों का समुचित पालन न होने पर उपजिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए स्टेडियम इंचार्ज को नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने, रसोई व्यवस्था को व्यवस्थित रखने तथा स्वच्छता संबंधी मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उप जिलाधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्टेडियम की व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार किया जाएगा। साथ ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

अधिकारी, कर्मचारी सार्वजनिक परिवहन विकल्प अपनाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : शासन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में ऊर्जा संरक्षण और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने हेतु महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने सूचना विभाग में प्रत्येक शनिवार को ह्वनो व्हीकल डेह्व के रूप में मनाने के निर्देश जारी किए हैं।

महानिदेशक सूचना ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की है कि प्रत्येक शनिवार को कार्यालय आने-जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन, साइकिल जैसे विकल्पों को अपनाएं। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास सामूहिक रूप से बड़े सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं और यह पहल ऊर्जा संरक्षण के राष्ट्रीय अभियान को मजबूती प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि विभाग स्वयं इस पहल को अपनाकर समाज के सामने एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करेगा। ह्वनो व्हीकल डेह्व के माध्यम से न केवल ईंधन की बचत होगी, बल्कि कार्बन उत्सर्जन में कमी लाकर पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

दिल्ली-एनसीआर में उत्तराखंडी भाषाओं की ग्रीष्मकालीन कक्षाएं 24 मई से

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखंड लोकभाषा साहित्य मंच दिल्ली 24 मई से गढ़वाली, कुमाऊंनी और जौनसारी भाषाओं की ग्रीष्मकालीन शिक्षण कक्षाएं शुरू करेगा। ये कक्षाएं दिल्ली-एनसीआर और उत्तराखंड के कुछ क्षेत्रों में 52 केंद्रों पर आयोजित की जाएंगी। यह पहल पिछले 15 वर्षों से (2012 से) सफलता पूर्वक संचालित हो रही है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रवासी उत्तराखंडी बच्चों को अपनी बोली-भाषा (गढ़वाली, कुमाऊं नी, जौनसारी) पढ़ना-लिखना सिखाना है। इन कक्षाओं के माध्यम से बच्चों को अपनी लोक संस्कृति और खान-पान से भी परिचित कराया जाता है। यह प्रयास उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखने में मदद करता है। साथ ही, गढ़वाली, कुमाऊंनी और जौनसारी भाषाओं को संविधान की 8वीं अनुसूची में दर्ज कराना भी एक प्रमुख लक्ष्य है। मंच के संरक्षक डॉ. विनोद बछेती के मार्गदर्शन में तथा अन्य भाषा प्रेमियों के दिशा निर्देश से इन कक्षाओं का संचालन होता है।

जिला पंचायत बैठक में डीएम की अनुपस्थिति से सदस्यों में आक्रोश

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला पंचायत की वित्तीय वर्ष 2026-27 की त्रैमासिक बैठक में सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को संबंधित विभागीय अधिकारियों के समक्ष प्रमुखता से उठाया। जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला ने जनसमस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए। बैठक में नव नियुक्त मुख्य विकास अधिकारी अशोक जोशी का जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला, उपाध्यक्ष आरती नेगी और सभी सदस्यों ने स्वागत किया। वहीं, हर बार की तरह इस बार भी जिलाधिकारी की बैठक में अनुपस्थिति पर जिला पंचायत सदस्यों ने नाराजगी व्यक्त की। बैठक के सफल संचालन और सभी सदस्यों को विश्वास में लेकर बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जिला पंचायत अध्यक्ष को सदन के सबसे वरिष्ठ एवं सबसे कम उम्र के सदस्य द्वारा बुके भेंट कर सम्मानित किया गया। बैठक समाप्त होने के बाद जिला पंचायत सदस्य

संगठन की नव निर्वाचित अध्यक्ष पूनम कैंथुरा के नेतृत्व में सभी सदस्य जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया से मिलने उनके कार्यालय पहुंचे और उन्हें ज्ञापन सौंपा। सदस्यों ने जिलाधिकारी से भविष्य में जिला पंचायत बैठकों में प्रतिभाग करने का अनुरोध किया। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं सभी जिला पंचायत सदस्य उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर बयां की पेयजल की पीड़ा

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : पर्यटन नगरी लैंसडौन में गर्मी आने के साथ ही लोगों को पानी की समस्या से जूझना पड़ता है। छावनी वासियों ने लैंसडौन में पानी की कमी से होने वाली परेशानी को और अपनी पीड़ा को सोशल मीडिया के माध्यम से बयां किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आज भी छावनी वासियों को पेयजल किल्लत से निजात नहीं मिल पाई है। गर्मी शुरू होते ही छावनी में पेयजल की किल्लत शुरू हो जाती है। छावनी प्रशासन को इस समस्या का हल निकालना चाहिए।

रूपा रावत सोशल मीडिया में लिखती हैं लैंसडौन में पानी की समस्या वैसी की वैसी बनी हुई है। बरसों से इस समस्या का कोई समाधान नहीं निकल पाया है। विमलेश कुमार बीछवान ने लिखा है लैंसडौन पुरानी समस्याओं से जूझ रहा है। लैंसडौन में पहले से ही पानी की समस्या रही है। बचपन में हमें दूर-दूर से पानी लाना पड़ता था। इसी से हमारे हाथ मजबूत हुए हैं। परंतु आश्चर्य की बात यह है कि स्थिति आज भी वैसी की वैसी बनी हुई है। पानी की समस्या का स्थाई समाधान छावनी प्रशासन को निकालना चाहिए। आज भी पानी की समस्या छावनी प्रशासन की कोशिश के बाद भी वैसी ही बनी हुई है। पर्यटन नगरी में आबादी घटी पानी के टैक्स में समय के साथ-साथ वृद्धि की गई। आनंदी रावत पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण लैंसडौन शहर बर्बाद हो रहा है।

ग्रामीणों ने कराई स्वास्थ्य जांच

चमोली(आरएनएस)। सेवा इंटरनेशनल की ओर से नौटी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 45 ग्रामीणों की बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन आदि की जांच की गई। इस मौके पर ग्रामीणों को निशुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। स्वास्थ्य शिविर में सेवा इंटरनेशनल से सूर्यकान्त ड्यूंडी, राहुल, डॉ. दिव्या मौजूद रहे। वही राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल जेंटा की ओर से राजकीय जूनियर हाईस्कूल घतोड़ा में योग शिविर आयोजित किया गया। स्वास्थ्य केंद्र के योगाचार्य पंकज मनूड़ी ने छात्र–छात्राओं को दंडासन, उत्तानपाद आसन, पश्चिमोत्तानासन, भुजंग आसन, शीर्षासन, शवासन की जानकारियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि नित्य प्रति प्रणायाम और योगाभ्यास से स्वास्थ्य और मानसिक क्षमता में वृद्धि होती है।

संस्कृति के संरक्षण के लिए सबको आना होगा आगे : मुकुंदानंद

चमोली। विभिन्न संस्थाओं की ओर से बदरीनाथ में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के अंतिम दिन मुख्य अतिथि ज्योतिषपीठ के दंडी स्वामी चैतन्य मुकुंदानंद गिरि ने संस्कृत भाषा की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि संस्कृत मातृभाषा से मृत भाषा हो गई है। इसके संरक्षण के लिए हम सबको आगे आकर विशेष प्रयास करने होंगे। बदरीनाथ धाम में उत्तराखंड संस्कृत विवि, केंद्रीय संस्कृत विवि देवप्रयाग और सोबन सिंह जीना विवि की ओर से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। भारतीय ज्ञान परंपरा : दिव्य भूमि बदरीकाश्रम विषय पर आयोजित सम्मेलन में 22 राज्यों के 450 शिक्षाविद् शोधार्थी शामिल हुए। मुख्य अतिथि ज्योतिषपीठ के दंडी स्वामी मुकुंदानंद गिरि ने कहा कि सनातन धर्म के आदि पुरुष शंकराचार्य हैं। उन्होंने तत्कालीन समय में अलग–अलग मतों में विभाजित लोगों को एक सूत्र में पिरोया। चारधाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत के महासचिव डॉ. बृजेश सती ने बदरीनाथ के महात्म्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा किबदरीनाथ में पंच बदरी, पंचधाराएं, पंच शिला और पंच कुंड विराजमान हैं। होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश मेहता ने कहा कि देश के विद्वानों के साथ हर साल अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

अधिकारी आमजन की शिकायतों को गंभीरता से लें : बलूनी

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्र पोषित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध तरीके से पहुंचना चाहिए। इसके लिए सभी अधिकारी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी, जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कृषि, पूर्ति, खेल, श्रम एवं पशुपालन विभाग सहित अन्य योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। सांसद अनिल बलूनी ने जनसमस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष जोर देते हुए कहा कि अधिकारी आमजन की शिकायतों को गंभीरता से लें और प्राथमिकता के आधार पर उनका निराकरण सुनिश्चित करें। कहा कि योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए इस प्रकार की नियमित बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक के दौरान सांसद ने

पीएमजीएसवाई के अंतर्गत डुमक-कलगोठ मोटर मार्ग तथा निजमुला-गौणा-पाणा ईरानी मोटर मार्ग निर्माण कार्यों में हो रही देरी पर नाराजगी जताई और निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही लोक निर्माण विभाग एवं पीएमजीएसवाई को स्वीकृत सड़कों के निर्माण और अनुरक्षण कार्यों में तेजी लाने को कहा। मनरेगा कार्यों की समीक्षा करते हुए सांसद ने वीबीजी राम जी योजना के क्रियान्वयन के बारे में डीडीओ से जानकारी लेते हुये अधिक से अधिक लोगों को इस योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में नेटवर्क समस्या के समाधान हेतु बीएसएनएल के अधिकारियों को डार्क जोन का विस्तृत मैप तैयार करने को कहा, जिससे जनपद में आ रहे नेटवर्क की समस्या को दूर करने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जा सके। बैठक में विधानसभा बद्रीनाथ विधायक लखपत बुटोला, पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, पीडी आनंद सिंह, डीडीओ केके पंत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, नगर निकायों के अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दिव्यांग पेंशन मामलों में सक्रियता से कार्य करें

सांसद अनिल बूलनी ने समाज कल्याण विभाग को लंबित पेंशन प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने तथा दिव्यांग पेंशन मामलों में सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए। वहीं मुख्य शिक्षाधिकारी को दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष शिक्षण व्यवस्था विकसित करने को कहा तथा आवश्यकता पड़ने पर सांसद निधि से सहयोग देने की बात कही। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की समीक्षा के दौरान सांसद ने संस्थागत प्रसव, टीकाकरण और टीबी मुक्त अभियान को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलाधिकारी को मेडिकल कॉलेज स्थापना हेतु उपयुक्त भूमि चिन्हित करने के निर्देश भी दिए ताकि अग्रिम कार्यवाही शीघ्र प्रारंभ की जा सके।

मनरेगा के अंतर्गत 12,64,719 मानव दिवस सृजित किए गए

बैठक में जिलाधिकारी गौरव कुमार ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी देते सांसद को बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा के अंतर्गत 12,64,719 मानव दिवस सृजित किए गए। नमामि गंगे योजना के तहत 16 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से शुद्ध जल नदियों में प्रवाहित किया जा रहा है तथा 3.80 लाख पौधरोपण कर वनीकरण को बढ़ावा दिया गया है।

पंकज सुसाइड केस में विभिन्न संगठनों ने किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : पंकज सुसाइड केस में विभिन्न संगठनों ने शुक्रवार को सतपुली में धरना प्रदर्शन कर आक्रोश जताया। इससे पहले प्रदर्शनकारियों ने मुख्य बाजार में जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए नारेबाजी की। बस अड्डे के निकट राधाकृष्ण मंदिर के प्रांगण में हुई जनसभा में पूर्व सांसद और वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रदीप टम्टा ने मामले को बेहद संवेदनशील बताते हुए अभी तक एफआईआर न होने पर राज्य सरकार को जमकर लताड़ा। कहा कि एक अनुसूचित जाति के युवक को पुलिस की प्रताड़ना ने आत्महत्या के लिए मजबूर किया। प्रदेश में अनेक जगहों से पुलिस के आम जनमानस से दुर्व्यवहार की शिकायतें आ रही है। वहीं उत्तराखंड पुलिस शराब, खनन और भू माफियाओं की मित्र बनी हुई है। भाकपा (माले) के राज्य सचिव इंद्रेश मैखुरी, भाकपा माले के केंद्रीय कमेटी के सदस्य कैलाश पांडे, सद्भावना मंच

के भुवन पाठक, माकपा के राज्य सचिव राजेंद्र पुरोहित, वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रेम बहुखंडी समेत अन्य वक्ताओं ने अपने संबोधन में आरोपी थानाध्यक्ष समेत मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। कहा कि मृत युवक से थाने में मारपीट और उसकी माता के सामने गाली-गलौज से वह इतना आहत हुआ कि उसे जीवनलीला समाप्त करनी पड़ी। पुलिस के रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा कि प्रदेशभर में पुलिस माफियाओं के हाथों की कठपुतली बनी हुई है। पुलिस द्वारा आम लोगों को छोटी-छोटी बातों के लिए परेशान कर शोषण कि जा रहा है। जनसभा के बाद प्रदर्शनकारियों ने उपजिलाधिकारी सतपुली रेखा आर्य के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। जिसमें पुलिस कर्मियों पर आत्महत्या के लिए उकसाने, एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज करने, मृतक के परिजनों को एक करोड़ मुआवजा दिए जाने, मृतक के परिजनों को सरकारी नौकरी दिए जाने आदि की मांग की गई। जनसभा के बाद प्रदर्शनकारियों ने मृतक पंकज के रैतपुर स्थित निवास में परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया। प्रदर्शनकारियों में मृतक पंकज की बड़ी बहन प्रिया, आइसा के प्रदेश अध्यक्ष अंकित उछोली, इंसानियत मंच के हरिओम पाली, पूर्व प्रमुख पोखड़ा सुरेंद्र रावत, जिला पंचायत सदस्य अल्मोड़ा नारायण सिंह, नगर पंचायत सभासद अम्मू रावत, चंद्र मोहन रावत, यूकेडी नगर अध्यक्ष अनुराग बौंठियाल, यूकेडी जयहरीखाल ब्लाक अध्यक्ष संदीप रौतेला, हाईकोर्ट के एडवोकेट कैलाश जोशी, पत्रकार त्रिलोचन भट्ट, भुवन पाठक, प्रभात ध्यानी समेत अनेक संगठनों से जुड़े लोग शामिल थे।

दस्तावेज और टैक्स जमा न करने पर दो वाहन सीज

चमोली। सड़क सुरक्षा अभियान के तहत शुक्रवार को परिवहन विभाग ने पीपलकोटी, हेलंग, ज्योर्तिमठ, गोविंदघाट, पांडुकेश्वर, बदरीनाथ, माणा में वाहनों की चेकिंग की। एआरटीओ अभिषेक भटगांई ने बताया कि वाहनों की ओवर लोडिंग, ओवर स्पीड, दोपहिया वाहन में ट्रिपल राइडिंग, बीमा, प्रदूषण प्रमाण, चालकों की सीट बेल्ट, हेलमेट नहीं पहनने पर 17 वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। साथ ही फिटनेस प्रमाण पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस और परिवहन कर जमा नहीं करने पर दो वाहनों को सीज किया गया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

आईपीएल में आज होगा केकेआर और टाइटंस में मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में गुजरात टाइटंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। जहां केकेआर का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी हल्की सी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। वहीं गुजरात टाइटंस इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना चाहेगी। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए गुजरात टाइटंस जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

इस सत्र में जब पिछली बार इन दोनों टीमों में मुकाबला हुआ था तब गुजरात टाइटंस ने केकेआर को 5 विकेट से मात दी थी। ऐसे में अब केकेआर हिसाब बराबर करना चाहेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 6 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 1 जबकि गुजरात ने 4 जीते हैं, वहीं एक मैच का परिणाम नहीं आया है।

इस मैच में केकेआर को अगर जीतना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान आजिंक्य रहाणे के अलावा अंगकृष रघुवंशी, कैमरून ग्रीन और रिंकू सिंह पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा के अलावा रहस्यमी स्पिनर सुनील नरेन पर आधारित रहेगी

दूसरी ओर इस सत्र में शुभमन गिल की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन कर रही गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन के अलावा साई सुदर्शन और राहुल तेवतिया पर आधारित रहेगी। टीम की गेंदबाजी की कमान कगिसो रबाडा, मोहम्मद

सिराज के अलावा स्पिनर राशिद खान संभालेंगे।

टीम इस प्रकार है

केकेआर : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिल एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, रोवमैन पॉवेल, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी। इम्पैक्ट प्लेयर- सौरभ दुबे।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अरशद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर- प्रसिद्ध कृष्णा।

थाईलैंड ओपन: पीवी सिंधु कड़े संघर्ष में हारी, सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में पहुंचे

बैंकाक (एजेंसी)। पूर्व और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन के बीच हुए मुकाबले में भारत की पीवी सिंधु शुक्रवार को यहां थाईलैंड ओपन 2026 बैडमिंटन के महिला सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से कड़े संघर्ष में हार गईं।

2019 की बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियन और महिला सिंगल्स रैंकिंग में मौजूदा नंबर 12 पर काबिज सिंधु ने पहला गेम जीता और मैच के दूसरे मिड-गेम इंटरवल में चार पॉइंट की बढ़त के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाने की ओर बढ़ती दिखीं। हालांकि, दुनिया की नंबर 3 और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन यामागुची ने अपने ट्रेडमाक फाइटबैक से मैच का रुख पलट दिया और 61 मिनट में 19-21, 21-18, 21-15 से जीत हासिल की।

हार के बावजूद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 15-13 की मामूली बढ़त बनाए रखी है। यामागुची पर उनकी सबसे यादगार जीत टोक्यो 2020 ओलंपिक्स के क्वार्टर-फ़ाइनल में मिली थी। हालांकि, शुक्रवार के नतीजे ने जापानी स्टार से उनकी पिछली पांच मुलाकातों में चौथी हार को चिह्नित किया। इससे पहले उनका सबसे हालिया मुकाबला जनवरी में मलेशिया ओपन में हुआ था, जहां यामागुची के चोट के कारण रिटायर होने के बाद सिंधु आगे बढ़ी थीं।

इससे पहले दिन में टॉप सीड सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने जापान के छठे सीड ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी को 41 मिनट में 21-12, 21-13 से हराकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफ़ाइनल में प्रवेश किया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शनिवार को सेमीफाइनल में मलेशिया के गोह से फेई और नूर इज़ुद्दीन से भिड़ेंगे।

चिराग और सात्विक दो बार के थाईलैंड ओपन चैंपियन हैं, जिन्होंने क्रमशः 2019 और 2024 में पुरुषों के डबल्स खिताब जीते हैं। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन, दिन में बाद में पुरुषों के सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में घरेलू पसंदीदा कुनलावुत विटिडसार्न (पूर्व विश्व चैंपियन और पेरिस 2024 रजत पदक विजेता) से भिड़ेंगे।

ईसीबी ने पहली बार पूर्व महिला क्रिकेटर को बनाया पुरुष टीम का कोच

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पहली बार एक महिला क्रिकेटर को पुरुष क्रिकेट टीम का कोच बनाया है। पूर्व विकेटकीपर सारा टेलर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए इंग्लैंड की सीनियर पुरुष टेस्ट टीम का फील्डिंग कोच बनाया गया है। उन्हें कार्ल हॉपकिंसन की जगह कोच बनाया गया है। हॉपकिंसन अभी आईपीएल करार के कारण उपलब्ध नहीं हैं।ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब की सारा को कोच बनाने की घोषणा की। सारा की नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सारा महिला क्रिकेट की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। उन्होंने अपने शानदार करियर में सभी प्रारुपों में कुल मिलाकर 226 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह बेहतरीन विकेटकीपरों में से एक रही हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से ही सारा ने कोचिंग का काम संभाला। उन्होंने पहले एंड्रयू फ्लिंटॉफ के नेतृत्व में इंग्लैंड लायंस (इंग्लैंड ए) टीम के साथ भी कोच के तौर पर काम किया है। इसमें उनके प्रदर्शन की काफी सराहना की गई। इसी को देखते हुए उन्हें सीनियर टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ससेक्स की पुरुष टीम और मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के साथ भी फील्डिंग कोच के रूप में अहम भूमिकाएँ निभाई हैं।

सारा को कोच बनाये जाने को लेकर ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब ने प्रशंसा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि वह अपने काम में माहिर और सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। उनका प्रदर्शन असाधारण रहा है और उन्होंने एंड्रयू फ्लिंटॉफ और एड बर्नी के साथ काफी काम किया है। ये दोनों ही उनकी जमकर तारीफ करते हैं। की ने आगे कहा, इसलिए जैसा कि हमें दिख रहा है, वह अपने क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। वह जिस तरह से अपना काम करती हैं उससे हम पूरी तरह से और अविश्वसनीय रूप से प्रभावित हैं। हॉपकिंसन की अनुपस्थिति के बारे में बताते हुए, की ने स्पष्ट किया, कार्ल हॉपकिंसन आज के क्रिकेट जगत के चलन के अनुसार फिलहाल मुंबई इंडियंस के साथ काम कर रहे हैं। उनके पास मुंबई इंडियंस के लिए काफी काम है, इसलिए हम भविष्य में निश्चित रूप से उनकी सेवाओं का उपयोग करेंगे, बस इस सीरीज के लिए नहीं। यह नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम है।

सैमसन को मिला पूर्व भारतीय कोच का समर्थन, कहा- भारत की टी20आई कप्तानी के लिए संजू मजबूत दावेदार

मुंबई (एजेंसी)। भारत के पूर्व कोच और ऑलराउंडर रवि शास्त्री का मानना है कि संजू सैमसन राष्ट्रीय टीम की टी20आई कप्तानी के लिए एक दावेदार हैं। उन्होंने इसके पीछे इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में राजस्थान रॉयल्स (RR) के पूर्व कप्तान के तौर पर उनके अनुभव और बल्ले से उनकी बढ़ती निरंतरता और परिपक्वता का हवाला दिया। दो महीने पहले सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने अपने घर पर ICC पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। इस टूर्नामेंट में सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया था। उन्होंने 5 पारियों में कुल 321 रन बनाए जिसमें वेस्टइंडीज के खिलाफ 'सुपर आठ' के अहम मुकाबले से लेकर न्यूजीलैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले तक, लगातार तीन अर्धशतक शामिल थे।

'The ICC Review' पर संजना गणेशन से बात करते हुए शास्त्री ने कहा, 'अगले (टी20) विश्व कप (2028 में) तक भारत एक नए कप्तान की तलाश में हो सकता है; यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अगले कुछ सालों में सूर्या का प्रदर्शन कैसा रहता है। लेकिन संजू सैमसन ने खुद को कप्तानी की भूमिका के लिए एक मजबूत दावेदार के तौर पर पेश किया है, क्योंकि वह पहले भी राजस्थान (रॉयल्स) के लिए यह भूमिका निभा चुके हैं।' शास्त्री का कहना है कि सैमसन की आक्रामक बल्लेबाजी उन्हें टीम की प्लेइंग इलेवन में एक निश्चित जगह दिलाती है। उन्होंने कहा, 'इसलिए मुझे लगता है कि यह तो बस शुरुआत है; अगले दो-तीन सालों में आप संजू से और भी बहुत कुछ देखने वाले हैं।'

सैमसन ने IPL में पांच सीजन राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी की है जिसमें 2022 का सीजन भी शामिल है, जब टीम उपविजेता रही थी। इंटरनेशनल क्रिकेट में सैमसन अपने करियर की सबसे बेहतरीन फॉर्म में हैं और उन्होंने

IPL के मौजूदा सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के लिए भी उसी फॉर्म को बरकरार रखा है। इस सीजन में उन्होंने 11 पारियों में 53.75 की औसत और 169.29 के स्ट्राइक रेट से 430 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है। इस साल टी20 मैचों में सैमसन ने 21 पारियों में 46.88 की औसत और 177.50 के स्ट्राइक रेट से 797 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं।

सैमसन की निरंतरता (consistency) को लेकर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन शास्त्री को अब ऐसा नहीं लगता कि यह कोई मुद्दा है, क्योंकि इस साल उनके खेल में एक नई तरह की परिपक्वता देखने को मिली है। शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि उसने (सैमसन ने) उन सभी सवालों पर विराम लगा दिया है। उसमें काबिलियत तो हमेशा से थी। असल में लोग इसलिए निराश होते थे क्योंकि वह अपनी उस काबिलियत के साथ न्याय नहीं कर पाता था।'

पूर्व भारतीय कोच ने आगे कहा, 'लेकिन इस सीजन में जिस तरह से उसने टी20 वर्ल्ड कप में अपने प्रदर्शन के बाद खेला है, जहां उसने अकेले दम पर भारत को कई मैच लगभग जिता ही दिए थे; बड़े मैच, क्वार्टर-फाइनल (वेस्टइंडीज, सुपर 8), सेमी-फाइनल, फाइनल–और जिस तरह से उसने आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभाली है तथा IPL में अब जो परिपक्वता वह दिखा रहा है, उसे देखते हुए मेरी नजर में वह भविष्य में टीम की कप्तानी संभालने का एक मजबूत दावेदार बन गया है।'

डेविड बेकहम यूके के पहले अरबपति खिलाड़ी बने

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान सर डेविड बेकहम 2026 संडे टाइम्स रिच लिस्ट में यूके के पहले अरबपति खिलाड़ी बन गए हैं। लिस्ट बनाने वालों के अनुसार, बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया की कुल संपत्ति 1.185 अरब पाउंड तक पहुंच गई है। इससे वे खिलाड़ियों में दूसरे स्थान पर हैं, जो पूर्व फॉर्मूला 1 बॉस बर्नी एक्लेस्टोन के परिवार से पीछे हैं, जिनकी संपत्ति 2 अरब पाउंड आंकी गई है। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार उत्तरी आयरलैंड के रोरी मैक्लरॉय 325 मिलियन पाउंड के साथ सातवें स्थान पर हैं, 37 साल के इस गोल्फर के लगातार दो मास्टर्स चैंपियन बनने के बाद। इस बीच, मैनचेस्टर यूनाइटेड के को-ओनर सर जिम रैटक्लिफ यूके में कुल मिलाकर सातवें से नौवें स्थान पर आ गए हैं।

यूनाइटेड के पूर्व मिडफील्डर बेकहम अब अमेरिकन क्लब इंटर मियामी के को-ओनर हैं, जो 1.45 अरब डॉलर (1.07अरब पाउंड) के साथ मेजर लीग सॉकर की सबसे कीमती फ्रेंचाइजी होने का अनुमान है। 51 साल के बेकहम, जिन्हें नवंबर में नाइटहुड की उपाधि दी गई थी, एडिडास और ह्यूगो बॉस जैसी कंपनियों के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। विक्टोरिया बेकहम की दौलत मुख्य रूप से उनके फैशन लेबल से आई है, जो शुरू में स्पाइस गर्ल्स की मेंबर के तौर पर मशहूर हुई थीं।

कीरोन पोलार्ड ने चौथे अंपायर को कहे अपशब्द, मुंबई इंडियंस के कोच पर लगा भारी जुर्माना

धर्मशाला - मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर चौथे अंपायर के लिए अपशब्दों का उपयोग करने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और उन पर उनकी लागू मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह घटना मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच गुरुवार को यहां खेले गए मैच के दौरान घटी। मुंबई ने इस रोमांचक मुकाबले में छह विकेट से जीत हासिल की। IPL ने शुक्रवार सुबह जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर आईपीएल की खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए उनकी लागू मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है।' इसमें कहा गया है, 'पोलार्ड को IPL की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो 'मैच के दौरान स्पष्ट रूप से अभद्र भाषा का उपयोग' से संबंधित है। यह घटना दूसरी पारी के 19वें ओवर में घटी जब पोलार्ड ने चौथे अंपायर के लिए अपशब्द कहे।' पोलार्ड ने अपना अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी पंकज धरमानी द्वारा लगाए गए दंड को मान लिया। पोलार्ड पर पहले भी आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया जा चुका है।

आईपीएल सत्र के बाद जा सकती है ऋषभ सहित इन तीन खिलाड़ियों की कप्तानी

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में खराब प्रदर्शन के करण तीन टीमों के कप्तानों की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। ये तीनो ही लगातार दो सत्र में कप्तानी करने के बाद भी असफल रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ये तीन कप्तान है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऋषभ पंत, कोलकाता नाइट राइडर्स के अजिंक्य रहाणे और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल।

ऋषभ पंत : लखनऊ सुपर जायंट्स टीम सबसे पहले टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। टीम के कप्तान ऋषभ और उनकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। ऋषभ न तो रन बना पाये और न ही अपनी टीम को प्रेरित कर पाये। टीम केवल तीन मैच जीत पायी और प्लेऑफ से बाहर हो गयी। ऋषभ ने अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह दबाव में दिखे। उन्होंने 138 के स्ट्राइक-रेट से केवल 251 रन बनाए और 11 मैचों में सिर्फ नौ छक्के लगाए, जो

आधुनिक टी20 मानकों से काफी नीचे है। उनके बल्ले की लय गायब दिखी और टीम संयोजन के कुछ फैसलों ने भी प्रशंसकों को हैरान कर दिया।

अक्षर पटेल : वहीं दिल्ली कैपिल्स के कप्तान अक्षर पटेल भी कप्तान और खिलाड़ी दोनों के तौर पर प्रभावित नहीं कर पाये और 9 पारियों में 112.50 के स्ट्राइक-रेट से केवल 100 रन ही बना पाये हैं। बनाए, जिसमें से 56 रन एक ही पारी में आए और बाकी 44 रन आठ पारियों में बने, जबकि उन्होंने ज्यादातर मैचों में शीर्ष पांच में बल्लेबाजी की। गेंदबाजी में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, 12 मैचों में 36 ओवर में 8.05 की इकोनॉमी से केवल 10 विकेट ही ले पाये। उनके कई फैसलों पर भी सवाल उठे।

अजिंक्य रहाणे : कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी टीम को प्रेरित करने में विफल रहे। वह टीम के लिए सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे पर उसे एक भी मैच में तेज शुरुआत नहीं दिला पाये न ही अपने साथी अंगकृष रघुवंशी को तेज खेलने के लिए उत्साहित कर पाये। रहाणे और अंगकृष की धीमी शुरुआत के कारण टीम दबाव में रही। रघुवंशी ने 139 से अधिक के स्ट्राइक-रेट से 340 रन बनाए, जबकि कप्तान रहाणे ने 133 के स्ट्राइक-रेट से 237 रन बनाए। दोनों ने शीर्ष तीन में बल्लेबाजी की, जिससे लगभग हर मैच में शुरुआती गति धीमी रही। इन दोनों ने 11 मैचों में मिलकर सिर्फ 25 छक्के लगाए, जो किसी भी टी20 टीम के लिए चिंताजनक है।

इस बार फीफा विश्वकप जीतना चाहेंगे रोनाल्डो

लिस्बन । पुर्तगाल की फुटबॉल टीम के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम अब तक कई खिताब है पर वह आज तक फीफा विश्व कप नहीं जीत पाये हैं। ऐसे में अब 41 साल के हो रहे रोनाल्डो के पास विश्वकप जीतने का अंतिम अवसर है जिसका वह पूरा लाभ उठाना चाहेंगे। पांच बार के बैलन डीओर विजेता रहे रोनाल्डो ने अपने करियर में हर बड़ी ट्रॉफी जीती है पर विश्कप में अब तक वह सफल नहीं हुए है। इसलिए वह इस बार इसे हासिल करने का पूरा प्रयास करेंगे। विश्कप 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। रोनाल्डो ने अब तक पुर्तगाल के लिए रिकॉर्ड 226 मैचों में 143 गोल किए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में एक विश्व रिकॉर्ड है। यह आंकड़े उनकी अटूट प्रतिबद्धता और असाधारण कौशल को दिखाता है। इस साल की शुरुआत में उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव का पर अगर वह पूरी तरह से फिट हो जाते हैं तो उनका विश्वकप खेलना तय है। यदि रोनाल्डो विश्व कप 2026 में खेलते हैं, तो वह लियोनेल मेसी के साथ छह विश्व कप खेलने वाले इतिहास के पहले पुरुष फुटबॉलर बन जाएंगे। रोनाल्डो ने पहले ही यह साफ कर दिया है कि यह उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा। इससे इस विश्वकप का महत्व उनके लिए और बढ़ जाता है। विश्वकप में पुर्तगाल को ग्रुप-के में रखा गया है, जहां उसे कोलंबिया, उज्बेकिस्तान और कांगो जैसी टीमों का सामना करना होगा। इस ग्रुप को देखते हुए, पुर्तगाल के अगले दौर में पहुंचने की संभावना काफी बेहतर मानी जा रही है। विश्व कप 2022 में पुर्तगाल की टीम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी पर मोरक्को से 1-0 से मिली अप्रत्याशित हार के साथ वह बाहर हो गयी थी। उस महत्वपूर्ण मुकाबले में रोनाल्डो दूसरे हाफ में बतौर सब्स्टीट्यूट मैदान पर उतरे थे। इस बार, पुर्तगाल का पहला मुकाबला 17 जून को ह्यूस्टन में कांगो के खिलाफ खेला जाएगा। ग्रुप में कोलंबिया जैसी मजबूत टीम भी पुर्तगाल को कड़ी चुनौती दे सकती है।

फिल सॉल्ट शीघ्र कर सकते हैं वापसी : पाटीदार

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा है कि टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट शीघ्र ही टीम में वापसी कर सकते हैं। सॉल्ट करीब एक महीने से उंगली की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। पाटीदार के अनुसार साल्ट अब पहले से काफी बेहतर हैं और उनके शीघ्र ही टीम से जुड़ने की संभावना है। सॉल्ट ने आखिरी बार 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला खेला था। इसके बाद उनकी उंगली में चोट लग गई थी, जिसके चलते उन्हें स्कैन और रिकवरी के लिए इंग्लैंड लौटना पड़ा था। साल्ट के बाहर होने से टीम संयोजन प्रभावित हुआ है। सॉल्ट का टीम में होना आरसीबी के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि वह प्लेऑफ में जगह बनाने के करीब है। पिछली कुछ टी20 पारियों में संघर्ष के बाद, सॉल्ट ने आईपीएल के इस सत्र में जबरदस्त वापसी की थी। उन्होंने सत्र में 202 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 33.66 और स्ट्राइक रेट 168.33 का रहा है। मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उन्होंने दो शानदार अर्धशतकीय पारियां भी खेली थीं, जिससे टीम को अच्छी शुरुआत मिली थी। सॉल्ट की गैरमौजूदगी में युवा जैकब बेथेल को पारी की शुरुआत की जिम्मेदारी मिली पर वह सफल नहीं रहे। बेथेल छह मैचों में केवल 85 रन बना पाये। उनका औसत 14.16 और स्ट्राइक रेट 121.42 का रहा है, जो टीम के लिए चिंता का विषय रहा है। अब यदि फिल सॉल्ट 17 मई को धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाते हैं, तो टीम इंग्लैंड के एक और बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स को उतार सकती है।

हार्दिक पांड्या के भविष्य पर अटकलों के बीच शार्दुल ठाकुर का बड़ा बयान, कहा- कुछ सही हैं और कुछ गलत

धर्मशाला (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कप्तान हार्दिक पंड्या के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच बड़ा बयान देते हुए कहा कि कुछ सही हैं, कुछ गलत। हालांकि उन्होंने यह साफ कर दिया कि पांड्या चोटिल होने के कारण पिछले तीन मैच में नहीं खेल पाए तथा कोलकाता नाइट राइडर्स (चयक्र) के खिलाफ अगले मैच में वापसी कर सकते हैं। हार्दिक मुंबई की टीम के साथ धर्मशाला नहीं गए थे जहां उनकी टीम ने पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराया। सूर्यकुमार यादव भी अपने बच्चे के जन्म के कारण इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे और इसलिए जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी की। वह इस सत्र में टीम के तीसरे कप्तान थे।

ठाकुर ने कहा, 'हार्दिक चोटिल है और इसलिए वह पिछले कुछ मैच में नहीं खेल पाए।' हार्दिक पीठ दर्द के कारण लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के खिलाफ भी मैच में नहीं खेल पाए थे। ठाकुर ने कहा, 'वह रायपुर (10 मई को RCB के मैच के लिए) गए थे, लेकिन खेल नहीं पाए। वह अभी मुंबई में अभ्यास कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि वह कोलकाता (20 मई को ईडन गार्डन्स) में खेलेंगे। उनके जैसे खिलाड़ियों की कमी हमें हमेशा खलती है।'

मुंबई इंडियंस की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। हार्दिक का इस दौरान प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और इसलिए फ्रेंचाइजी के साथ उनके भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी। ठाकुर ने इन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, 'सोशल मीडिया पर काफी चर्चाएं चल रही हैं, कुछ सही हैं, कुछ गलत। लेकिन उनके धर्मशाला नहीं आने का फैसला टीम प्रबंधन ने किया था।'

पंजाब किंग्स के खिलाफ ठाकुर ने 39 रन देकर चार विकेट लिए और मुंबई की जीत में अहम भूमिका निभाई। ठाकुर ने कहा, 'मुझे लगता है कि बुमराह के साथ मेरा तालमेल अच्छा है। हमने काफी बातचीत की है। मुझे अन्य गेंदबाजों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन निश्चित रूप से वह अपने विचार साझा करने में कभी संकोच नहीं करते।'

प्रीति जिंटा ने कठिन समय में अपनी टीम पंजाब किंग्स का हौंसला बढ़ाया

धर्मशाला । आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की टीम को बेहतरीन शुरुआत के बाद पिछले पांच मैचों से लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। इसके बाद भी टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा का समर्थन टीम को मिला है। प्रीति जिंटा ने लगातार अपनी टीम का हौंसला कठिन समय में बढ़ाया है। अपनी मुस्कान और सकारात्मक ऊर्जा से वह एक उम्मीद की किरण बनी हुई हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली करारी हार के बाद भी प्रीति खिलाड़ियों के साथ नजर आयीं। मुम्बई के खिलाफ मिली इस हार से पंजाब की प्लेऑफ की उम्मीदें जरुर कमजोर हुईं पर इस मौके पर भी प्रीति ने स्टेडियम में मौजूद टीम प्रशंसकों को टी-शर्ट बाँटकर उनका दिल जीता। सोशल मीडिया पर प्रीति और प्रशंसकों के बीच इस दौरान हुई बातचीत की तस्वीरें भी तेजी से वायरल हुईं, इसमें प्रशंसकों ने प्रीति के इस भाव की खूब सराहना की। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि प्रीति जिंटा अपनी टीम और उसके प्रशंसकों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई हैं।